संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 37
पृष्ठ 8
गुरुवार
24 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रात भर चेहरे पर...

विचार- गांदरबल हमले के.....

खेल- ऑस्ट्रेलिया दौरे के...

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

'भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है'

कजान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। उन्होंने रूस–यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का आह्वान करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा, हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम कोविड जैसी चुनौती से मिलकर पार पा सके, उसी तरह हम निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में सक्षम हैं। बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और

उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

पीएम मोदी ने आतंकवाद से निपटने का किया आह्वान

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए हमें सभी के एकजुट और दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है। इस गंभीर मामले में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें अपने देशों में युवाओं के कट्टरपंथीकरण को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के लंबे समय से लंबित मामले पर मिलकर काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, इसी तरह, हमें साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमों पर काम करने की जरूरत है।

ब्रिक्स में नए देशों के स्वागत के लिए भारत तैयार

इस दौरान पीएम ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस संबंध में, सभी निर्णय आम सहमति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों की तरफ से अनुपालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहना चाहिए कि यह संगठन वैश्विक संस्थानों की जगह लेने की कोशिश करने वाले संगठन की छवि न बना ले।

बेंगलुरू में इमारत ढहने से 8 लोगों की मौत

- कुछ अभी भी फंसे, इमारत मालिक गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। उत्तरी बेंगलुरु में एक निर्माणाधीन इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई और 13 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों को आशंका है कि मलबे में अभी भी कुछ लोग फंसे हुए हैं। पुलिस ने इमारत के मालिक मुनिराजू रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है और उन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह घटना शहर के हेन्नुर इलाके में, बाबूसापल्या नामक इलाके में, भारी बारिश के बीच हुई। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि इमारत गिरने का कारण बारिश नहीं, बल्कि घटिया सामग्री और घटिया निर्माण था। सीसीटीवी फुटेज में सात मंजिला इमारत के ढहने का दृश्य कैद हुआ है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि इमारत के पास केवल चार मंजिलों के लिए

अनुमति थी, और निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ। सूत्रों के अनुसार, इमारत के लिए पिलर रॉड 28–30 मिमी मोटी होनी चाहिए थी, लेकिन इस्तेमाल की गई रॉड की मोटाई केवल 18–20 मिमी थी। अन्य हिस्सों में, जैसे मोल्डिंग के लिए, जहां 14–16 मिमी मोटी रॉड का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, ऐसी संभावना है कि इस्तेमाल की गई रॉड केवल 8–10 मिमी मोटी थी। उन्होंने कहा कि यह भी संभावना है कि निर्माण में सीमेंट की आवश्यकता से कम और रेत का अधिक इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अब बढ़कर 8 हो गई है।

राजस्थान में बस-ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 47 घायल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कोटपुतली क्षेत्र में दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय मार्ग पर बुधवार को बस और ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा 47 अन्य घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर से दिल्ली जा रही स्लीपर बस सुबह करीब पांच बजे कोटपुतली में कंपरपुरा के पास ट्रौला से टकरा गयी। इससे बस में सवार करीब 50 लोग घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को नजदीक के राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की मौत हो गयी। गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है। घटना के बाद ट्रौला चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये। उधर हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा, "ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस असीम पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से भरा उपचुनाव के लिए नामांकन

- सोनिया गांधी–राहुल गांधी भी रहे मौजूद

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में केरल के वायनाड उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। प्रियंका ने कलेक्ट्रेट

कार्यालय में वायनाड संसदीय उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी के साथ एक्टिव राजनीति में सीधे तौर पर प्रियंका गांधी की एंट्री हो गई है।

नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। उन्होंने कलपेट्टा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले राहुल गांधी और प्रियंका ने केरल के कलपेट्टा शहर में एक रोड शो किया है। इस दौरान उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस रैली में प्रियंका गांधी ने कठिन समय में अपने भाई का समर्थन करने के लिए वायनाड के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रियंका गांधी ने रैली के दौरान कहा, "इन मूल्यों (सत्य और अहिंसा) ने मेरे भाई को प्रेम और एकता के लिए भारत भर में 8000 किलोमीटर पैदल चलने के लिए प्रेरित किया. .. वह आपके समर्थन के बिना ऐसा नहीं कर सकता था... आप मेरे भाई के साथ तब खड़ी रहीं, जब पूरी दुनिया उनसे मुंह मोड़ रही थी... आपने उन्हें लड़ते रहने की ताकत और हिम्मत दी... मेरा पूरा परिवार हमेशा आपका ऋणी और आभारी रहेगा... मुझे पता है कि उन्हें आपको छोड़ना पड़ा और मैं वादा करती हूं कि मैं आपके और उनके बीच के बंधन को और मजबूत करूंगी..."राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों से अपनी बहन पर भरोसा जताने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि वह उनकी आवाज बनेंगी। उन्होंने कहा, "मेरे हाथ में मेरी बहन द्वारा बनाई गई राखी है और मैं इसे तब तक नहीं उतारता जब तक यह टूट न जाए।

बेंगलुरु में भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच स्कूल, आंगनबाड़ी बंद

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर बुधवार को स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में बेंगलुरु में 23.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। शहर में आज आमतौर पर बादल छाए रहने और मध्यम बारिश/गरज के साथ बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है। दिन में भारी बारिश भी हो सकती है। कर्नाटक सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), जैव प्रौद्योगिकी (बीटी), इलेक्ट्रॉनिक तथा निजी कंपनियों को बुधवार को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का सुझाव दिया। आईटी–बीटी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की ओर से जारी परामर्श के अनुसार, "येलो अलर्ट तथा संभावित खराब मौसम के मद्देनजर हम आईटी, बीटी तथा निजी कंपनियों के कर्मचारियों की सुरक्षा व हित को प्राथमिकता देते हैं।"

यूपी के सरकारी कर्मचारियों को दिवाली पर खुशखबरी

योगी सरकार ने बोनस देने का किया एलान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दिवाली से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। योगी सरकार ने ऐलान किया है कि दिवाली के मौके पर पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा। सीएम ने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट भी किया है। यूपी सरकार ने सीएम योगी के एक्स हैंडल से बोनस दिए जाने का ऐलान किया। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि UPCM @myogiadityanath ने प्रदेश के पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को वर्ष 2023–2024 के लिए बोनस प्रदान करने का सहर्ष निर्णय लिया है।

आमंत्रण
लोकरंजन प्रकाशन और शहर समता विचार मंच
के संयुक्त तत्त्वावधान में
लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

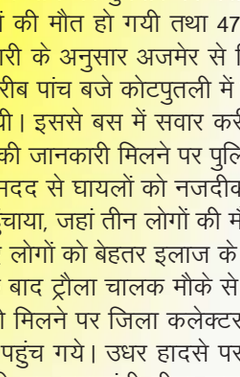

28 अक्टूबर 2024,सोमवार
वरिष्ठ कवयित्री रचना सक्सेना की पुस्तक 'छंद रचना' का लोकार्पण
कार्यक्रम स्थल - हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज
अध्यक्षता - मारूफ शाइर जनाब अनवार अब्बास नकवी
मुख्य अतिथि - प्रो. सरोज सिंह, प्रो. रवि कुमार मिश्रा
विशिष्ट अतिथि - डॉ० प्रदीप चित्रांशी, डॉ० सविता कुमारी श्रीवास्तव
प्रथम सत्र - दिन में 11 बजे से दुपहर 1बजे तक
द्वितीय सत्र - दिन में 2 बजे से शाम 5 बजे तक
लोकरंजन प्रकाशन रंजन पाण्डेय
कार्यक्रम संयोजक संजय सक्सेना
संस्थापक एवं संपादक उमेश श्रीवास्तव

संस्थापित: 2001 संस्थापक: स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना
सभी देशवासियों को
धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं
हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक/संयम/संस्कार/संतुलन
शहर समता
प्रयागराज से प्रकाशित
संपादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
प्रबंध संपादक अरविन्द पाण्डेय
पंजीकृत कार्यालय: 289/238 I, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज-211002
Mobile No.: 9450482227, 9005239332
E-mail: shaharsamta@gmail.com / Website: www-shaharsamta-com

दुष्कर्म के आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकराररूहाईकोर्ट ने कहा-25-26 दिन आरोपी के साथ रहने के बाद भी पीड़िता ने नहीं मांगी मदद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में चार लोगों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही करार देते हुए उसे बरकरार रखा है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जो कुछ हुआ उसमें पीड़िता की सहमति थी। मेडिकल जांच में भी यौन उत्पीड़न के आरोप साबित नहीं हो रहे हैं। बिना उचित कारण दिए एफआईआर 15 दिन की देरी से दर्ज कराई गई। पीड़िता 25–26 दिन आरोपी के साथ रही, लेकिन उसने अपने बचाव के लिए किसी से मदद नहीं मांगी। इन तथ्यों के आधार पर न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और

न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी। कानपुर देहात के थाने में 22 अप्रैल 2009 को शिकायतकर्ता ने नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म व अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। उसने आरोप लगाया कि 7 अप्रैल 2009 को आरोपी बलवान सिंह, अखिलेश, सिया राम और विमल चंद्र तिवारी ने उसकी बेटी का अपहरण किया। पुलिस ने पीड़िता को 3 मई 2009 को आरोपी बलवान सिंह के साथ घ्बरामद कर लिया। ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के आधार पर पाया कि पीड़िता बालिग है। उसने आरोपी के साथ अपनी मर्जी से अपना घर छोड़ दिया था। मदद मांगने का अवसर मिलने के बावजूद उसने किसी से मदद नहीं मांगी। ऐसे में अपहरण की बात उचित नहीं लगती। इससे साबित हुआ कि वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ गई थी। उसकी इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाए गए यह भी साबित नहीं होता है। आरोपियों को आरोपों से बरी कर दिया गया। इसके पहले राज्य सरकार ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद खंडपीठ ने मामले के तथ्यों की जांच की, तो पाया कि घटना के 15 दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई थी और अभियोजन पक्ष ने इस देरी का उचित कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा– पीड़िता अपनी गवाही के अनुसार 25–26 दिनों तक आरोपी बलवान के साथ रही। फिर भी, उसने यात्रा के दौरान राहगीरों से सहायता मांगने के लिए कभी भी कोघशिश नहीं की। मेडिको–लीगल जांच रिपोर्ट यौन उत्पीड़न के आरोपों की पुघष्टि नहीं करते। अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर संदेह करने का कोई कारण नहीं पाते हुए राज्य की अपील को खारिज कर दिया।

2024 : यूक्रेन-रूस युद्ध की थीम पर बने स्काई पटाखे, धमाके संग बिखेरेंगे छटा

प्रयागराज। दिवाली से पहले बाजारों में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। खरीदारी के लिए दुकानों पर अभी से लोगों की भीड़ जुटने लगी है। स्टॉल पर विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। खासतौर पर लोगों को यूक्रेन–रूस युद्ध की थीम पर बने स्काई पटाखे पसंद आ रहे हैं, जो 200 फीट ऊपर जाकर बजेंगे। पटाखा कारोबारी कादिर भाई ने बताया कि इस दिवाली पटाखा बनाने वाले कारीगर अंतरराष्ट्रीय युद्ध में प्रयोग की जाने वाली मिसाइल, ड्रोन बम और हेलीकॉप्टर की तर्ज पर पटाखे बना रहे हैं, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। कंपनियों ने इन सभी पटाखों के नाम भी विदेशी युद्ध मिसाइलों और ड्रोन बम के नाम पर रखा है। इनमें बंबारा मिसाइल, जेलेक्स, जिलजिल, मोनीपॉली, एलॉटर, पेनीस और शिव आकाशीय जैसे स्काई पटाखे शामिल हैं। इन सभी पटाखों की कीमत 100 से 200 रुपये पैकेट है। यह पटाखे आसमान में रंग–बिरंगे सितारों जैसी मनमोहक रोशनी भी फैलाएंगे। इन सबके अलावा बच्चों के 100 दानों की ग्रीन रंग का चटाई पटाखा आया है, जो बिल्कुल नया है। पटाखा कारोबारी बताते हैं कि पटाखा जितना मनोरंजन पूर्ण है, वह उतना ही खतरनाक है। जब भी पटाखा बजाएं सावधानी जरूर बरतें। गांव और मोहल्लों में बने देसी बम व पटाखों से दूर रहें। यह पटाखे प्रदूषण के साथ अधिक विस्फोटक होते हैं, जिससे जानमाल का खतरा रहता है।

प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुर धाम में होगा दीपोत्सवः 29 अक्टूबर से होंगे कार्यक्रम, जलाए जाएंगे में 1.25 लाख दीपक

प्रयागराज। प्रयागराज के श्रृंग्वेरपुरधाम में 29 अक्टूबर से चलने वाले तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हैं। प्रथम दिन भव्य संतो के समागम के साथ महोत्सव का आगाज होगा। श्रृंग्वेरपुर महोत्सव के दूसरे दिन दीपावली की पूर्व संध्या पर श्रृंग्वेरपुरधाम का श्रीरामघाट दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। सवा लाख दीपोत्सव से श्रृंग्वेरपुरधाम के श्रीराम घाट की लौ से अयोध्या पुनः प्रकाशित होगी। भगवान श्रीराम के आगमन के दृश्य और मर्यादापुरषोत्तम की कथा श्रृंग्वेरपुर महोत्सव की थीम है। सवा लाख दीपदान भगवान राम के त्रेतायुगीन आगमन के साक्ष्य होंगे। प्रतीकात्मक रूप से दीपदान से श्रृंग्वेरपुरधाम पुनः अपने राम का इंतजार कर रहा है। 29 अक्टूबर से जय श्रीराम सेवा समिति के तत्वाधान में चलने वाले तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव में दूर दराज इलाकों से दर्शकों और ग्रामीणों का आगमन होगा। तीसरे दिवस पर दिव्य गंगा आरती एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। जय श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया की महोत्सव को लेकर लोगों मे उत्साह है। इस बार भव्य एवं दिव्य श्रृंग्वेरपुर महोत्सव मनाया जाएगा। श्रृंग्वेरपुर को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। श्रृंग्वेरपुर महोत्सव के संचालक एवं जय श्रीराम सेवा समिति के महामंत्री अरुण द्विवेदी ने बताया कि अयोध्या शोध संस्थान, ललित कला अकादमी उत्तरप्रदेश एवं अन्य राज्यों से कलाकारों की प्रस्तुति महोत्सव मे देखने को मिलेगी। विभिन्न प्रकार की झांकियों एवं नृत्य का समागम भी देखने को मिलेगा। लोक गीत, रामलीला दृश्य, देवी देवताओं की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। श्रृंग्वेरपुरधाम मे तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव मे रामकथा की रसधार बहेगी। कई जिलों एवं स्थानीय साधु संतो द्वारा भगवान राम के जन्म से लेकर श्रृंग्वेरपुर आगमन की कथा लोगो मे सासंस्कृतिक एवं धार्मिक उत्साह को बढ़ाएगी।

एकादशी पर करेंगे राजसी स्नान, मांगी 300 बीघा जमीन

प्रयागराज। अखिल भारतीय श्री रामानुज वैष्णव समिति आचार्य बाड़ा की बैठक बुधवार सुबह वेदांत देशिक सेवा संस्थान दारागंज में हुई। इस दौरान महाकुम्भ की एकादशी स्नान पर राजसी स्नान का निर्णय हुआ। समिति के संतों ने जनवरी 2023 में बने श्री नारायणी रामानुज अखाड़ा के तहत एकादशी पर राजसी स्नान का निर्णय लिया। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य ने बताया कि 300 बीघा जमीन की मांग भी रखी गई है। इसके अलावा पुरानी संस्थाओं को एक ही जगह बसाने की बात भी हुई है। अखाड़े के संतों की बैठक के बाद अब मेला प्रशासन के साथ भी वार्ता होगी।

निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रतिभाग

प्रयागराज। चतुर्थ वाहिनी पीएसी परिसर धूमनगंज में निबंध ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस माडर्न स्कूल के कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के लगभग दो सौ छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका व उनके योगदान को अपनी लेखनी से उजागर किया। मुख्य अतिथि सेनानायक मनीष कुमार शांडिल्य ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद मिलती है। इस अवसर पर उप सेनानायक सुरेशचंद्र रावत, सूबेदार मेजर रावेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक केशवचंद्र राय, प्लाटून कमांडर संतोष कुमार, प्रिंसिपल मंगला मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अखाड़ों में धनबल का प्रयोग, महामंडलेश्वरों को मिलेंगी लग्जरी गाड़ियां

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े जूना अखाड़े से अलग संन्यासियों का पृथक पंच दशनाम श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़ा वंचित संतों को महामंडलेश्वर की पदवी देकर उनका सम्मान बढ़ाने के साथ ही काम करने के लिए संसाधन भी देगा। महाकुंभ में 31 राज्यों में महामंडलेश्वर बनाए जाएंगे। इन महामंडलेश्वरों को अखाड़े की ओर से काम करने के लिए लग्जरी गाड़ियां देने का निर्णय लिया गया है। 26 अक्तूबर को नव गठित अखाड़े की ओर से सात नए महामंडलेश्वरों का पट्टाभिषेक किया जाना है। पट्टाभिषेक की तैयारियों के बीच अखाड़े के संस्थापक स्वामी आदित्यानंद गोल्ड गिरि ने प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक में देश भर में धर्माधिकारियों की तैनाती करने का निर्णय लिया। अखाड़े के संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी चौतन्य गिरि, महामंत्री सचिव कृष्णानंद गिरि, महासचिव स्वामी वीरेंद्रानंद, किन्नर समाज की अध्यक्ष सोनिया नंद गिरि और अखाड़े की किन्नर समाज की आचार्य स्वामी भवानी नंद गिरि की मौजूदगी में गो संरक्षण के लिए गो माता को राष्ट्रमाता घोषित कराने का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही लव जिहाद और धर्म परिवर्तन जैसे सनातन विरोध ी कार्यों को रोकने के लिए प्रत्येक राज्य में एक–एक महामंडलेश्वर बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। अखाड़े के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानंद गोल्ड गिरि ने बताया कि सनातन संस्कृति पर हमला रोकने के लिए 31 महामंडलेश्वर बनाए जाएंगे। प्रत्येक राज्य में धर्म के प्रचार का काम करने के लिए सभी महामंडलेश्वरों को स्कार्पियो कार प्रदान की जाएगी। पंच दशनाम गुरुदत्त अखाड़े का लक्ष्य सिर्फ सनातन संस्कृति को कमजोर करने वाली ताकतों को रोकना है। किसी अखाड़े या समाज के विरोध या अलग रहने जैसी बातें नव गठित अखाड़े की ओर से नहीं की जा सकतीं। उनका कहना था कि श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़े का काम वंचित संतों को ताकत देना और सर्व समाज को एकजुट करना है।

श्रीपंच दशनाम गुरुदत्त अखाड़े की ओर से 26 अक्तूबर को होने वाले पट्टाभिषेक समारोह में हिस्सा लेने के लिए संरक्षक चेतन गिरि मंगलवार को यहां पहुंच गए। उन्होंने तैयारियों का संतों के साथ जायजा लिया। संस्थापक महामंडलेश्वर आदित्यनंद गोल्ड गिरि 25 अक्तूबर को यहां पहुंचेंगे।

मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका, रिकॉल आवेदन खारिज, अब तय होंगे वाद बिंदु

प्रयागराज। मथुरा श्री कृष्ण जन्म भूमि विवाद के मामले में मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की रिकॉल अर्जी को खारिज कर दी है। अब मामले में वाद बिंदु तय किए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई आठ नवंबर को होगी। श्री कृष्ण जन्म भूमि विवाद के पक्षकार एवं श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया, न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ के समक्ष मंदिर और मस्जिद पक्ष की तरफ से बहस की गई थी। पक्ष ने आर्डर सात रूल 11 के तहत दिए गए प्रार्थना को खारिज कर स्वामित्व से जुड़े 15 सिविल वादों को एक साथ सुने जाने के कोर्ट के निर्णय खिलाफ रीकाल प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। मंदिर पक्ष की तरफ से कहा गया कि रीकाल प्रार्थना पत्र मामले को उलझाए रखने के लिए है। रीकाल प्रार्थना पत्र किसी आदेश को वापस लेने के लिए दी जाती है। अदालत रीकाल प्रार्थना पत्र निस्तारण करने के बाद सिविल वादों को लेकर वाद बिंदु तय करेगी। मंदिर पक्ष ने वाद बिंदु दे दिए हैं। हिंदू पक्ष ने सभी विवादों का एकत्रीकरण कर तत्काल वाद बिंदुओं को तय करके सुनवाई की जाए। मुस्लिम पक्ष की तरफ से इसका विरोध किया गया। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने सभी मुकदमों की अलग– अलग सुनवाई करने की मांग कोर्ट से की थी। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने सुरक्षित रख लिया था। आज हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के आवेदन को खारिज कर दिया। अब सभी मुकदमे एक साथ चलाए जाएंगे।

भाजपा ने फूलपुर सीट से तय किया प्रत्याशी, कविता, विक्रम और दीपक पटेल के नामों की चर्चा

प्रयागराज। फूलपुर विध ानसभा उप चुनाव के लिए भाजपा कविता पटेल को प्रत्याशी बना सकती है। हालांकि पूर्व विधायक दीपक पटेल और कई साल से फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय विक्रम सिंह पटेल के नाम की भी चर्चा तेज है। सूत्रों की मानें तो इन तीनों पटेल में से किसी एक के नाम पर मुहर लग सकती है। पार्टी जल्द ही नाम को घोषणा कर सकती है। सूत्रों की मानें तो भाजपा ने कविता पटेल, दीपक पटेल और विक्रम सिंह पटेल का नाम तय किया गया है। इसमें से किसी के नाम की घोषणा की जा सकती है। चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 26 अक्तूबर तक निर्धारित है। कविता वर्तमान में भाजपा गंगापार की अध्यक्ष हैं। दीपक पटेल करछना से विध ायक रह चुके हैं और उनकी मां केशरी देवी पटेल फूलपुर से सांसद भी रह चुकी हैं। विक्रम सिंह पटेल काफी समय से पार्टी से जुड़े हैं और फूलपुर विध ानसभा में सक्रिय है। फूलपुर उप चुनाव में भाजपा ने मुज्तबा सिद्दीकी और सपा ने जितेंद्र कुमार सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। मुज्तबा सिद्दीकी 2022 के आम चुनाव में भी सपा से प्रत्याशी थे और मामूली अंतर से भाजपा के प्रवीण सिंह पटेल से पराजित हो गए थे। बसपा ने पहले शिवबरन पासी को मैदान में उतारा था लेकिन अचानक उनका टिकट काटकर हनुमानगंज के रहने वाले जितेंद्र कुमार सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। भाजपा ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं। यह कयास लगाए जा रहे हैं भाजपा किसी पटेल को ही अपना प्रत्याशी बना सकती है। कविता पटेल का नाम लगभग तय माना जा रहा है।

राजस्व न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ निगरानी याचिका पोषणीय नहीं, हाईकोर्ट का अहम फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी प्रकरण में राजस्व न्यायालय के अंतरिम आदेश के खिलाफ कमिश्नर की अदालत में निगरानी याचिका पोषणीय नहीं है। कमिश्नर को राजस्व न्यायालय के अंतिम रूप से निर्णय वादों के खिलाफ ही निगरानी याचिका की सुनवाई का क्षेत्राधिकार है। यह फैसला न्यायमूर्ति डॉ.योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने मोहम्मद मुस्लिम और पांच अन्य की ओर से प्रयागराज के बेली कछार की भूमि विवाद को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची के अधिवक्ता विभु राय ने दलील दी कि याची बेली कछार स्थित एक भूखंड का स्वामी है, राजस्व अभिलेखों में उसका नाम दर्ज है। इस जमीन को लेकर उसका विपक्षी मो.सलीम से सिविल वाद चल रहा है। सिविल वाद अदालत में लंबित है। अंतरिम निषेधाज्ञा की अर्जी खारिज हो चुकी है। विपक्षी ने इस तथ्य को छिपाकर एसडीएम की अदालत में उद्घोषणा वाद दाखिल किया। साथ ही निषेध ाज्ञा की अर्जी भी दाखिल कर दी। एसडीएम ने 17 अक्तूबर 2022 को यथा स्थिति का एक पक्षीय आदेश पारित कर दिया। लेकिन, जब याची ने अपनी विस्तृत आपत्ति दाखिल की तो एसडीएम ने उक्त आदेश को वापस ले लिया। विपक्षी ने एसडीएम के आदेश के खिलाफ कमिश्नर के यहां निगरानी दाखिल की। कमिश्नर ने इसे स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि राजस्व न्यायालय के विरुद्ध निगरानी दो ही स्थितियों में सुनी जा सकती है। पहले यह की प्रकरण ऐसे सूट या कार्रवाई से संबंधित हो, जिसे राजस्व न्यायालय की ओर से निर्णीत किया जा चुका हो। दूसरा यह कि निर्णय ऐसे सूट या कार्रवाई से संबंधित होना चाहिए, जिसके खिलाफ अपील का प्रावधान न हो। निगरानी अदालत का क्षेत्राधिकार इन दो शर्तों पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा कि एसडीएम ने निषेधाज्ञा अर्जी निस्तारित नहीं की थी, वह अभी उनके न्यायालय में लंबित है। इस स्थिति में यह मामला निर्णीत वाद की श्रेणी में नहीं आएगा। इसलिए इस अंतरिम आदेश के खिलाफ निगरानी याचिका पोषणीय नहीं है।

31 अक्तूबर तक ही मान्य होगी सक्रिय सदस्यता

प्रयागराज। भाजपा कार्यालय सिविल लाइंस में महानगर के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश संगठन के चुनाव के लिए मनोनीत सह अधि ाकारी कमलेश कुमार गौतम का मंगलवार को स्वागत किया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं सह अधिकारी कमलेश कुमार गौतम ने कहा कि सदस्यता अभियान 30 अक्तूबर के बाद भी चलता रहेगा लेकिन सक्रिय सदस्यता 31 अक्तूबर तक ही मान्य होगी। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है ।

तीन साल से भर्ती फंसी, बेमियादी धरने पर डटे बेरोजगार

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में सहायक अध्यापक और प्रध ानाध्यापकों के 1894 पदों पर तीन साल से भर्ती पूरी नहीं होने से आक्रोशित अभ्यर्थी बुधवार को नौंवे दिन शिक्षा निदेशालय में अपर शिक्षा निदेशक बेसिक कार्यालय के बाहर धरने पर डटे हैं। ज्ञानवेंद्र सिंह बंटी, रश्मि, पूजा, किरण, साधना, सुधीर तिवारी, रजनीश मिश्र, सुनील कनौजिया, सनोज यादव, मुकेश, विकास वर्मा, मास्टर केवल सिंह, अशोक कुमार आदि अभ्यर्थियों का कहना है कि शासन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा से एक महीने में तीन बार रिपोर्ट मांगी है लेकिन अधिकारियों के स्तर से लगातार लेटलतीफी की जा रही है। तीन साल से भर्ती प्रक्रिया लम्बित है जिस पर कोर्ट से किसी प्रकार की कोई रोक नहीं है। 40 हजार से अधिक छात्र भर्ती पूरी होने के इंतजार में हैं।

हाईकोर्ट में शनिवार से दीपावली का अवकाश, अब चार से होगा कामकाज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार से ही दीपावली की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी। इसके बाद चार नवंबर से अदालती कामकाज शुरू होगा। हाईकोर्ट प्रशासन ने सोमवार 28 अक्तूबर

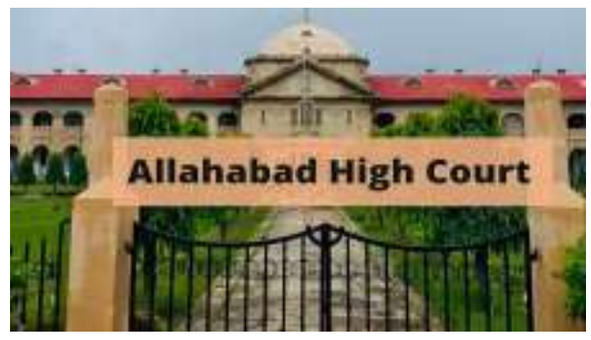

को अवकाश घोषित कर दिया है। इसके एवज में हाईकोर्ट 23 नवंबर शनिवार को खुलेगा। हाईकोर्ट ने अधिकृत रूप से दीपावली की छुट्टियां 29 अक्तूबर से तीन नवंबर तक घोषित हैं। लेकिन, 25 अक्तूबर के कामकाज के बाद 26 को शनिवार और 27 को रविवार की छुट्टी है। इसके बाद दीपावली की छुट्टियों के बीच मात्र एक दिन के लिए कोर्ट खुला होने के कारण अधिवक्ता अपने गांव नहीं जा पा रहे थे। साथ ही वादकारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता। लिहाजा, हाईकोर्ट प्रशासन ने 28 अक्तूबर सोमवार को अवकाश घोषित किया है। इसके एवज में हाईकोर्ट 23 नवंबर की खुलेगा।

प्रयागराज में ट्रक की टक्कर से किशोर की मौतः

दवा लेकर साइकिल से आ रहा था घर, जसरा बाजार में हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज में यमुनानगर के घूरपुर थाना अंतर्गत जसरा बाजार में बुधवार की दोपहर ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ट्रक

को थाने लेकर आ गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। किशोर की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। घूरपुर थाना क्षेत्र के जसरा गांव निवासी राजेश कुमार धुरिया मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके तीन बेटे और पत्नी हैं। सबसे छोटा बेटा संदीप कुमार धुरिया (15) मोटर मैकेनिक का काम सीख रहा था। बुधवार को पूर्वान्ह 11रू00 बजे के करीब वह साइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा दवा लेने गया था। सीएचसी से दवा लेकर वह साइकिल से वापस घर लौट रहा था। जसरा बाजार में ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज के सामने शहर से शंकरगढ़ की ओर जा रहे एक खाली ट्रक ने पीछे से संदीप की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बांदा हाईवे पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद ट्रक को खड़ा चालक फरार हो गया। किशोर को सड़क पर पड़े देख कर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन संदीप की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। उसके पास मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान हुई। उसके घरवालों को खबर दी गई। पुलिस ने परिजनों के आने के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। घूरपुर थाने की पुलिस का कहना है कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

भारोत्तोलन में शकुन राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित सी.ए.वी. इंटर कॉलेज में आयोजित हो रही 68वीं प्रदेशीय विद्यालयीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में छात्रा शकुन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में सबसे अधिक 151 किलोग्राम वजन उठाकर गोल्ड मेडल अर्जित करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी के साथ उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिये हो गया है। डीआईओएस डॉ. सच्चिदानन्द यादव, खेल सचिव श्याम लाल, विद्यालय प्रबन्धक रामसुभग त्रिपाठी, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रामकिरण त्रिपाठी ने छात्रा को बधाई दी।

कुत्ते से टकराया बाइक सवार दंपती, गंभीर

लालगोपालगंज।। कुंडा से प्रयागराज लौट रहे बाइक सवार एक दंपती दुर्घटना का शिकार हो गए। पहाड़ीपुर झूंसी निवासी गुलाब बिंद अपनी पत्नी और बच्चे के साथ एक बाइक पर सवार होकर कुंडा से अपने घर प्रयागराज जा रहे थे। अंधियारी टोल प्लाजा पार करके जैसे ही 100 मीटर दूर पहुंचे ही थे कि अचानक कुत्तों का झुंड बाइक में जाकर टकरा गया, जिससे बाइक सवार दंपती गिरकर लहूलुहान हो गए। घटना को देख आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। घायल दंपती व बच्चे को लहूलुहान देख लोगों ने एम्बुलेंस को जानकारी दी। एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी कौड़िहार ले जाया गया। जहां गंभीर अवस्था देख चिकित्सकों ने गुलाब बिंद व उसकी पत्नी एवं आठ वर्षीय बच्चे को प्रयागराज रेफर कर दिया। गुलाब बिंद को सिर में चोट लगने से स्थिति गंभीर बनी हुई है।

रहस्यमय दशा में युवक का शव रेल लाइन पर मिला

मांडा।दो दिन पहले मुंबई से गांव आये युवक का शव घर से पांच किमी दूर रेल लाइन पर मिला। सूचना पर पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए यसआरयन प्रयागराज भेज दिया। थाना क्षेत्र के दिल्ली हावड़ा रेल लाइन पर दिघिया ओवरब्रिज के नीचे मंगलवार देर रात एक युवक का क्षत विक्षत शव मिला। बुधवार सुबह शव का शिनाख्त हुआ। युवक थाना क्षेत्र के आहोपुर नेवढ़िया गांव निवासी हरि शंकर मिश्रा का बेटा 34 वर्षीय अजीत मिश्रा था। युवक अविवाहित और तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। युवक के पिता हरि शंकर मिश्रा व माता का पहले ही निधन हो चुका है। घटना स्थल के पास युवक की साइकिल भी मिली। वह दो दिन पहले मुंबई से लौटा था। देर रात किन परिस्थितियों में घर से पांच किलोमीटर दूर रेललाइन पर पहुंचा। फिलहाल दिघिया चौकी पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह का कहना है कि पुलिस मामले की अपने स्तर से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त

लखनऊ एयरपोर्ट पर किसानों का हंगामा,भू-अधिग्रहण का विरोध

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को किसानों ने जमकर हंगामा किया। किसानों का आरोप है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी बिना उचित मुआवजा दिए उनकी जमीन कब्जा कर रही है। किसान इसका विरोध कर रहे हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी–कर्मचारी सुबह सरोजनी नगर कोतवाली क्षेत्र में चिन्हित जमीन की बाउंड्रीवाल करवाने गए थे। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में किसान आ गए। उनके साथ महिलाएं भी थीं। किसान नेताओं के नेतृत्व में लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी है। ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर करते निर्माण कार्य को रोक दिया है। मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ–साथ भारी पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनकी जमीनें बिना उचित मुआवजे और सहमति के कब्जे में ली जा रही हैं, जिसके चलते वे मजबूरन विरोध कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन द्वारा स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बंथरा से युवती लापता,भाई ने पुलिस से की शिकायत

लखनऊ, एजेंसी। राजधानीलखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवती के लापता होने की खबर से हड़कंप मच गया है। घटना 22 अक्टूबर 2024 की रात करीब 10 बजे की है। वह अचानक घर से गायब हो गई। परिवार ने कई जगह तलाश किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। युवती के परिजनों के अनुसार, युवती के पास फोन था जो लगातार स्विच ऑफ जा रहा है। परिजनों ने बताया कि युवती से एक अज्ञात व्यक्ति (मोबाइल नंबर 73950,,,,,,,) अक्सर बात करता था। परिजनों को शक है, कि उसी व्यक्ति ने लड़की को बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। युवती के भाई ने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और युवती की तलाश जारी है। थाना प्रभारी राम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है जांच कर आगे की आवश्यक विधि कार्रवाई की जा रही है। बंथरा पुलिस युवक की तलाश में जुटी हुई है।

सपने तो उनके हैं जो कह रहे थे हम राम को लाए हैं,राम तो अवधेश प्रसाद को लाए हैं ये जग जाहिर है : अवधेश प्रसाद

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों पर 13 नवम्बर को मतदान होगा। बहुजन समाज पार्टी सभी 9 सीटों पर अपने उम्मीदवार को उतार दिया है जबकि सपा ने अपने 7 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। शेष गठबंधन के लिए 2 सीटें छोड़ दी हालांकि अभी कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। वहीं भाजपा ने भी अपने उम्मीदवाओं की लिस्ट जारी नहीं की है, लेकिन उपचुनाव में हर पार्टी सभी सीटों पर जीत के दावे कर रही है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी से सांसद अवधेश प्रसाद ने बेटे के नामांकन के बाद भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी उपचुनाव में हारेगी। जनता समजा वादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश उम्मीद लागाए बैठी हुई है। 2027 में अखिलेश यादव के नेतुत्व में उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि विधानसभा उपचुनाव की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी जीत दर्ज करेगी। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के बयान पर सपा सांसद ने पलटवार किया। उन्होंने मुगेरीलाल के सपने तो वह देख रहे हैं जो कहते थे कि जो राम को लाए हैं हम उन्हें लाएंगे। सांसद ने कहा कि राम अवेध प्रसाद का लाएं हैं ये जग जाहिर है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी अयोध्या में शानदार जीत दर्ज की थी। इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) ने 37 सीटें जीती, समाजवादी पार्टी देश में तीसरी सबसे बड़ी दल के रूप में उभरी है। अब देखना हो कि उपचुनाव में पार्टी कितनी सीटों पर जीत दर्ज करती है।

देवा मेला में कवि सम्मेलन आज

लखनऊ, एजेंसी। देवा मेला में 24 अक्टूबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नामी गिरामी कवि शिरकत करेंगे और अपना काव्य पाठ करेंगे। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन देवा शरीफ समिति के अध्यक्ष राय स्वरेश्वर बली व सचिव डॉ अम्बरीष अम्बर ने बताया कि चौबीस अक्टूबर को सूफी धरती पर हास्य कवि पद्मश्री डॉ सुरेन्द्र दुबे छत्तीसगढ़, गीतकार विष्णु सक्सेना, मणिका दुबे जबलपुर, अशोक चारण ओज राजस्थान, विनोद राजयोगी हास्य मैनपुरी, शैलजा सिंह दिल्ली, डॉ नीरज पाण्डेय शून्य ओज रायबरेली, अभय निर्भीक अम्बेडकर नगर ओज, नंद जी नंदा बलिया ओज हलधर गोण्डवी गीतकार, शशि श्रेया लखनऊ, अखंड प्रताप सिंह लखनऊ गीतकार विनय शुक्ल एवं आशीष सिंह बाराबंकी काव्य पाठ करेंगे।

अयोध्या में 35 लाख दीप जला बनेगा विश्व रिकार्ड...त्रेतायुग की दिखाई जाएंगी झलकियां, कलाकार देंगे प्रस्तुति

लखनऊ, एजेंसी। अयोध्या में इस बार भी दीपोत्सव का विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। राम की पैड़ी पर 25 लाख दीप एक साथ जलाकर विश्व रिकार्ड बनाया जाएगा। वहीं, अयोध्या नगर क्षेत्र में भी 10 लाख दीप जलाए जाएंगे। इस तरह 35 लाख दीप जलाए जाएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीराम, जानकी व लक्ष्मण स्वरूप का पूजन करेंगे। इसके साथ ही श्रीराम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक किया जाएगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन व संस्कृति विभाग स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय करके 28 से 30 अक्तूबर तक अयोध्या के विभिन्न स्थलों पर रामायण के प्रसंगों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इसमें देशी व विदेशी कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे। दस बड़े सांस्कृतिक मंचों का निर्माण किया जा रहा है। इन पर अत्याधुनिक तकनीकी से त्रेतायुग की झलकियां दिखाई जाएंगी। मुख्य आयोजन 30 अक्तूबर को रामपथ, रामकथा पार्क, राम की पैड़ी तथा सरयू तट आदि पर आयोजित किए जाएंगे। रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित झांकियां व 30 कलाकारों के साथ दल द्वारा रामपथ सचल प्रदर्शन का शुभारंभ होगा। श्रीराम–सीता व लक्ष्मण के स्वरूपों का हेलीकाप्टर से रामकथा पार्क हेलीपैड पर प्रतीकात्मक पुष्प विमान द्वारा अवतरण होगा।

भारत मिलाप के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज । आदर्श रामलीला कमेटीबालापुरके मंच परभारत मिलाप के अवसर परएक भव्य कवि सम्मेलन काआयोजन किया गयाकार्यक्रम की अध्यक्षताबाबू फतेह बहादुर सिंहने कियाकार्यक्रम का संचालनडॉ राजेंद्र शुक्ल ने कियाश्रीमती राधा शुक्ला जी केवाणी वंदना सेकार्यक्रम का शुभारंभ किया गयाकार्यक्रम के मुख्य अतिथिआईटी कमला स्मारकके अध्यक्षश्री अनिल विश्वकर्मा जी थेविशिष्ट अतीत के रूप मेंवेद प्रकाश श्रीवास्तव जी थेलोक कलाकारमोहिनी श्रीवास्तव केभजन सेकवि सम्मेलन का आगाज हुआवीर रसके लोकप्रिय कविडॉ वीरेंद्र सिंह कुसुमाकरने अरे भगवान राम के अस्तित्वपरअपनी पंक्तियांइस प्रकार पड़ीराम तो बसे हैंकोटि–कोटि जनमानस मेंप्रीति के प्रदीप कोप्रकाश दिए जा रहेइसी क्रममें सबरीज अहमदनेअपनी गजलों सेसमा बांधकिसी कड़ी मेंगीतकारराधा शुक्ला नेमां की ममता परसुंदर गीत पड़ीतत्पश्चातरत्नाकर तन्हा नेअपने छंदों मेंराम का गुणगान कियावेदानंदवेद नेमेरे कुल मेंसब कुछ थाबस राम नहीं थाअपने पिता की स्मृतियों कोताज कियाइसी क्रम मेंनिखिलेश मालवीय नेदेश भक्ति को समर्पितकाव्य पाठ कियासंचालन कर रहे राजेंद्र शुक्ल नेभगवान राम को समर्पितअपने मुक्तक सुनाएंअध्यक्ष संबोधन मेंबाबू फतेह बहादुर सिंह नेशक्ति की वंदना कियाकवियों का स्वागतरामलीला कमेटी केप्रबंधकमहेशानंद नेकियाइस अवसर परलव कुमार पांडेवेद प्रकाश श्रीवास्तवअभिषेक श्रीवास्तवग्राम प्रधान नीलम पथिकउपस्थिति रही

योगमय हुआ रामपुर खागल

(योगऋषि स्वामी रामदेव का हुआ भव्य स्वागत)

प्रतापगढ पट्टी में रामपुर खागल में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज पतंजलि योगपीठ हरिद्वार का हुआ भव्य स्वागत

प्रतापगढ़। पट्टी तहसील के रामपुर खागल गांव में पूज्यपाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य की चल रही साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा में नित्य प्रति देश भर की नामचीन हस्तियों के आने का क्रम जारी है सइसी कड़ी में आज पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज पतंजलि योगपीठ हरिद्वार का भी आगमन हुआ सपतंजलि योग समिति परिवार प्रतापगढ़ के कार्यकर्ताओं ने हेलीपैड पर योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज का भव्य स्वागत किया सइसके बाद स्वामी जी जगद्गुरू श्री रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज से भेंट किए उसके पश्चात श्रोताओं को मंच से आशीर्वचन दिया सइस अवसर पर पतंजलि योग समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश व जिले के पदाधिकारी कथा स्थल पर उपस्थित रहकर संगठन के साथियों का उत्साह बढ़ाया ससइस अवसर पर पतंजलि योग समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री दुर्गेश योगी जी के नेतृत्व में प्रतापगढ़ जनपद पतंजलि के पांचों संगठनों के जिला प्रभारियों के संयोजकत्व में संगठन के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे सपतंजलि योग समिति जिला प्रभारी गोविंद जी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला प्रभारी भूपेंद्र जी किसान समिति प्रभारी कृष्ण कुमार जी नंदलाल जी धीरज जी जिला मीडिया प्रभारी अमित जी धर्मेंद्र जी इंद्रभान जी आर ए सिंह जी प्रमोद पाण्डेय जी सुरेश जी राजेश कुमार जी छत्रधर जी प्रवीण जी रविन्द्र जी अरुणेश जी श्याम जी शिव बरन जी राजेंद्र जी राम शिरोमणि रितेश जी देवेंद्र जी शिव कुमार जी रमेश जी विकास आदि उपस्थित रहेस

लखनऊ में आईएम ग्रुप पर इनकम टैक्स की रेड,16 ठिकानों पर कार्रवाई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के बड़े रियल एस्टेट कारोबारी कादिर अली के आवास सहित 16 ठिकानों पर इनकम टैक्स ने छापेमारी की है। आयकर टीम बुधवार सुबह रियल एस्टेट ग्रुप आईएम के गोमती नगर स्थित ऑफिस पहुंची और जांच शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार, कंपनी मालिक कादिर अली के आवास, ऑफिस के अलावा आईएम ग्रुप के रशेल कोर्ट और विस्तार परियोजनाओं के कार्यालयों में भी एक साथ छापेमारी की गई है। इनकम टैक्स की यह कार्रवाई वित्तीय गड़बड़ी, टैक्स चोरी और अवैध फंडिंग की शिकायत के बाद की गई। जानकारी के मुताबिक आईएम ग्रुप की स्थापना 1987 में की गई थी। यह ग्रुप दिल्ली–एनसीआर सहित लखनऊ में हाईराइज सोसायटी और होम टाउन प्रोजेक्ट पर काम करता है। कंपनी के खिलाफ टैक्स चोरी और अवैध फंडिंग की शिकायतें की गई थीं। इसके साथ ही ब्लैक मनी को व्हाइट करने में भी कंपनी पर आरोप लगे हैं। इनकम टैक्स छापेमारी आईएम ग्रुप द्वारा अघोषित आय को लेकर की गई, जिसमें एक बड़े टैक्स पार्ट नहीं दिखाया गया। रियल एस्टेट कंपनी पर कैश के हैवी लेन–देन के लिए जांच की जा रही है। कंपनी का टर्नओवर का सटीक आंकड़ा आईएम ग्रुप की वेबसाइट पर आईएमलब्ध नहीं हैं। लखनऊ और अन्य शहरों में इसके बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट्स को देखते हुए माना जा रहा है कि कंपनी का सालाना टर्नओवर 1000 करोड़ से ज्यादा का है। वर्ष 2017 में पुरानी केरेंसी के मामले में भी आईएम कंपनी पर छापेमारी हुई थी। तब उरई में नगर पंचायत अध्यक्ष और करीबियों के ठिकानों पर आयकर की टीम ने छापेमारी की थी। आयकर सूत्रों के अनुसार ग्रुप के पास बोगस कंपनियों के जरिए काला धन सफेद करने में बड़ा नेटवर्क है। सबसे पहले जीएसटी की छापेमारी में यह पता चला था, कि इनपुट क्रेडिट टैक्स की बड़ी हेराफेरी की जा रही है। बोगस कंपनियों के नाम पर यह सब चल रहा है। इसी के जरिए करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी की जा रही थी। कादिर अली, एमआई ग्रुप के मालिक हैं और रियल एस्टेट क्षेत्र में जाने–माने व्यक्ति हैं। हालांकि उनका कोई स्पष्ट और सार्वजनिक राजनीतिक संबंध नहीं है, लेकिन अक्सर बड़े रियल एस्टेट डेवलपर्स के कुछ राजनीतिक संपर्क होते हैं। लखनऊ में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स के कारण राजनीतिक हलकों में उनकी पहचान हो सकती है। एमआई ग्रुप के खिलाफ छापेमारी में कुछ राजनीतिक पहलू हो सकते हैं, जैसा कि अन्य रियल एस्टेट मामलों में देखा गया है, जो कभी–कभी सपा जैसी पार्टियों से जुड़े रहे हैं। आयकर विभाग के सूत्रों की मानें तो 18 अक्टूबर को लखनऊ में मसाला कंपनी के मालिक मुकेश जिंदल, अरुण जिंदल के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। शहर के निराला नगर, इंदिरा नगर, न्यू हैदराबाद स्थित दफ्तर और घरों पर छापा मारा गया था। इनके यहां भी पहले जीएसटी की छापेमारी की जा चुकी है।

सपा-कांग्रेस 'समझौते' के बीच भाजपा की सूची लटकी

अचानक दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली पहुंचे, आज फैसला संभव

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में होने वाले विधानसभा उप चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की सूची पर फिर पेंच फंस गया है। इस वजह से सूची मंगलवार को भी जारी नहीं हो पाई । इसकी वजह प्रयागराज के फूलपुर सीट पर सपा–कांग्रेस के बीच बदले समीकरण को माना जा रहा है। सूत्रों की माने तो सपा ने इस सीट से मुस्लिम चेहरे के तौर पर मुस्तफा सिद्दकी को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन अब यह सीट कांग्रेस को देने की चर्चा है। इसे देखते हुए भाजपा अपने उम्मीदवारों की सूची रोक ली है। इसी बीच विपक्ष के भीतर बदले समीकरण को देखते हुए दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को भी मंगलवार को दिल्ली बुला लिया गया है। बता दें कि मंगलवार को भाजपा उम्मीदवारों की सूची आने की पूरी संभावना थी, लेकिन सपा–कांग्रेस के बीच सीटों के अदला–बदली की चर्चा को देखते हुए केन्द्रीय नेतृत्व ने ऐन वक्त पर सूची को रोक लिया है। सूत्रों का कहना है कि सपा से मुस्लिम उम्मीदवार उतारे जाने के बाद फूलपुर सीट पर भाजपा ने भी उसी समीकरण को देखते हुए पिछड़े चेहरे को प्रत्याशी बनाने का फैसला किया था, लेकिन अब यदि कांग्रेस के खाते में यह सीट जाती है और उनकी तरफ से गैर मुस्लिम प्रत्याशी दिया जाता है तो भाजपा भी बदले समीकरण के लिहाज से प्रत्याशी उतारेगी। दरअसल फूलपुर सीट का प्रभार उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद पर है, इसलिए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें दिल्ली बुलाकर बदले परिदृश्य पर चर्चा की है। चूंकि नामांकन के लिए अब तीन दिन ही शेष बचे हैं इसलिए संभावना है कि अब बुधवार को ही भाजपा की सूची आएगी। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी के साथ देर रात तक मंथन कर सूची को अंतिम रूप दिया है। माना जा रहा है कि सूची जारी करने की तैयारी है। वहीं, सूत्रों का यह भी कहना है कि जिन सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी फाइनल हैं, उन प्रत्याशियों को नामांकन की तैयारी के लिए फोन किया जा चुका है।

फूलपुर सीट पर बदले समीकरण के अलावा भाजपा के सहयोगी निषाद पार्टी संजय निषाद के अड़ जाने की वजह से भी सूची जारी न होने की बात कही जा रही है। दरअसल संजय निषाद दो सीट लेने पर अड़े हुए हैं।

सत्ताईस का सत्ताधीश, अखिलेश के जन्मदिन पर पोस्टर वार की शुरुआत, सपा कार्यालय के बाहर लगी होर्डिंग

लखनऊ, एजेंसी। सपा मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर सपा कार्यालय के बाहर लगी एक होर्डिंग प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, इस पोस्टर के जरिए सपा नेता ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी है। पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल है। इस पोस्टर में अखिलेश यादव को सत्ताईस का सत्ताधीश बताया गया है। बताया जा रहा है कि सपा प्रमुख के जन्मदिन पर यह होर्डिंग जयराम पांडे के द्वारा लगवाई गई है। जिसमें अखिलेश यादव को शक्तिशाली नेता के रूप में दिखाया गया है। यह पोस्टर सपा कार्यकर्ताओं में आकर्षक का केंद्र बना हुआ है।

मोदी पर विवादित टिप्पणी करने वाले इमरान मसूद के खिलाफ आरोप तय

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरने वाले कांग्रेस के बड़बोले नेता इमारान मसूद पर कोर्ट का शिकंजा कसता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान सहारनपुर में दिये अपने भाषण में इमरान मसूद ने तब के बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और भाजपा नेता नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोटी–बोटी काट देने वाली अभद्र टिप्पणी की थी। जिसके पश्चात इस मामले में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ एमपी एमएलए कोर्ट में आरोप तय किए गए हैं,जबकि सांसद ने आरोपों इंकार किया है। अपर

जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) गुलाब सिंह ने बताया कि 27 मार्च 2014 को देवबंद में चुनावी जनसभा के दौरान इमरान मसूद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी की थी। उन्होंने दो दलित नेताओं को भी जातिसूचक शब्द कहकर संबोधित किया था। मामले में देवबंद कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने धारा 153 ए, 295ए, 504, 506, 3(1) 10 एससी/एसटी एक्ट तथा 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में चार्जशीट लगा दी। इमरान मसूद की ओर से आरोपों को निराधार बताते हुए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था, परंतु अदालत ने इसे पर्याप्त आधारों के अभाव में निरस्त कर दिया था। इमरान के खिलाफ धारा 153ए– निवास स्थान, भाषा इत्यादि के आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच शुत्रता का संप्रर्वतन और सौहार्द बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कार्य कारित करना,धारा259 ए–में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर दलितों की हिंदू धर्म के प्रति शत्रुता एवं घृणा के शब्दों का प्रयोग करना। विद्वेषपूर्ण कार्य, जो किसी वर्ग के अपमान कर उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के हों–(इस अपराध में तीन साल की सजा हो सकती है) 504–किसी को अपशब्द कहना। इस आशय से अपमानित करना कि वह प्रकोपित होकर लोक शांति भंग करे अथवा अन्य कोई अपराध कारित करें– (इस अपराध में दो साल की सजा हो सकती है) 506– जान से मारने की धमकी देना– (इस अपराध में सात साल की सजा हो सकती है) 3(1) 10 एससी/एसटी एक्ट, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों पर जातिगत टिप्पणी करना। 125– लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, लोगों और धर्म के बीच शुत्रता और घृणा बढ़ाने का प्रयास।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में बैज अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

लखनऊ, एजेंसी। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ में सत्र 2024–25 के लिए नवगठित छात्रा–परिषद के पदाधिकारियों का बैज अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह महाविद्यालय प्रांगण में प्रॉक्टोरियल बोर्ड के संयोजन में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डॉ नीरज बोरा (विधायक, उत्तरी विधानसभा, लखनऊ) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती बिंदु बोरा (निर्देशिका, सेवा अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर लखनऊ) उपस्थित रहे ,कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की, कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा कु श्रेया श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती गान से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधे भेंट किए गए, सर्वप्रथम चीफ प्रॉक्टर मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने सभी को अवगत कराया कि महाविद्यालय में 2012 से छात्रा–परिषद का गठन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व, अनुशासन, सहयोग एवं प्रजातांत्रिक मूल्यों का विकास करना है। महाविद्यालय अपने विजन तथा मिशन बालिकाओं का सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और छात्रा–परिषद का गठन इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा नवगठित पदाधिकारियों को बैज प्रदान किए गए तथा प्राचार्या द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि डॉ नीरज बोरा ने अपने संबोधन में नवगठित छात्रा परिषद की पदाधिकारियो को आशीर्वाद और शुभकामनाएं देते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा कहा कि आज का दिवस इन युवा छात्राओं की स्मृतियों में सदैव रहेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है और यहां की सरकार का नेतृत्व भी एक महिला कर रही है। यह व्यवस्था का परिवर्तन यह दर्शाता है कि महिलाएं घर की जिम्मेदारी के साथ–साथ सार्वजनिक जीवन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और श्रेष्ठता की यदि कोई तालिका बनाई जाए तो महिलाओं का योगदान सर्वोपरि होगा क्योंकि वह प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी रही हैं। उन्होंने सभी छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक वास्तविक नेता वही है जो समस्या के साथ समाधान को लेकर हर समय उपलब्ध हो। छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उस हीरे की तरह चमकते नजर आए जिसे महिलाएं सॉलिटेयर कहती हैं जो कि बेशकीमती होता है।

सम्पादकीय.....

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

गांदरबल हमले के बाद मोदी सरकार की जिम्मेदारी

डॉ. दीपक पाचपोर

गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में श्रीनगर–लेह नेशनल हाईवे पर जेड–मोड़ सुरंग बनाई जा रही है जो सोनमर्ग को सीधे लेह से जोड़गी। यह ऑल वेदर सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है।

जम्मू–कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें कम से कम 7 लोग मारे गए हैं। मृतकों में प्रवासी मजदूरों समेत एक डॉक्टर शामिल हैं। आतंकियों ने इस बार उन नागरिकों को अपना निशाना बनाया है जो निर्माण कार्य में संलग्न थे। गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में श्रीनगर–लेह नेशनल हाईवे पर जेड–मोड़ सुरंग बनाई जा रही है जो सोनमर्ग को सीधे लेह से जोड़गी। यह ऑल वेदर सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली है, जो लश्कर–ए–तैयबा का ही एक संगठन है। 2019 में अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद टीआरएफ ज्यादा सक्रिय हुआ। पहले इस आतंकी संगठन के निशाने पर अधिकतर कश्मीर पंडित रहते थे, लेकिन अब यह गैर कश्मीरियों और सिखों को निशाना बना रहा है। 2019 के बाद हुए कई हमलों की जिम्मेदारी लश्कर नहीं, बल्कि टीआरएफ लेता रहा है। टीआरएफ जिस तरह से कश्मीरी पंडितों, प्रवासी कामगारों, सरकारी अधिकारियों और सैन्य बलों को पिछले पांच सालों में निशाना बनाता रहा है, उससे जाहिर है कि उसके पीछे जो ताकतें खड़ी हैं, वे कश्मीर में किसी भी हाल में शांति नहीं चाहती हैं और न ही सामान्य जनजीवन देखना चाहती हैं। इसलिए इस बार गांदरबल इलाके में हमला किया गया, क्योंकि यह जम्मू–कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का निर्वाचन क्षेत्र है और जम्मू–कश्मीर के बाकी इलाकों की अपेक्षा शांत माना जाता रहा है। मगर अब यहां के लोगों में भी दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। सुरंग के निर्माण कार्य में लगे लोग जब दिन भर के काम के बाद लौटे ही थे कि उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं। जाहिर है हमलावरों का मकसद जान–माल का भारी नुकसान पहुंचाना था। आतंकवादियों के मंसूबे जाहिर हो चुके हैं, अब केंद्र और राज्य सरकार को तय करना है कि वे इस मुश्किल घड़ी में किस तरह मिलकर काम करते हैं। 10 साल बाद ही सही, लेकिन जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और शांतिपूर्ण तरीके से हुए यह कश्मीर की जनता की बड़ी जीत है। आतंकियों के लिए यह करारा सबक है कि उनकी दहशतगर्दी लोकतांत्रिक भावनाओं को कुचल नहीं पा रही है और शायद इसलिए इस तरह का हमला किया गया है। केंद्र और राज्य की सत्ता पर बैठे लोगों ने फौरन इस हमले की कड़ी निंदा की है, लेकिन इसके साथ ही क्षुद्र राजनीति भी शुरु हो गई है। जैसे केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस पर फौरन हिंदू–मुसलमान की राजनीति शुरु कर दी और कहा कि , शर्म राहुल गांधी और फारुख अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि जब आतंकवादियों को समर्थन देने वाली सरकार हो तो ये घटना होना स्वाभाविक है। इनकी जुबान तो खुलेगी नहीं ये तो गजा के लिए ट्वीट करेंगे। ऐसे में हिंदू मारा गया है तो सरकार तो उन्हीं की है। मोरा सैय्या कोतवाल तो डर काहे का। गिरिराज सिंह का भले ही बिहार के बाहर कोई जनाधार नहीं हो, लेकिन वे मोदी सरकार में मंत्री हैं, इस नाते उनकी बात पर सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि इस बारे में वो अपना रुख भी स्पष्ट करे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तो हमले की निंदा करते हुए दोषियों को न बख्शने की बात कही है। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि क्या इस हमले में जिस तरह कांग्रेस और एनसी के नेताओं पर सवाल उठाए गए हैं, क्या वे उससे सहमत हैं। और अगर वे सहमत नहीं हैं तो फिर गिरिराज सिंह के बयान से भाजपा को खुद को अलग करके बताना चाहिए। क्योंकि जिस तरह गिरिराज सिंह ने इस मामले में हिंदुओं के मरने पर सवाल उठाया, उससे जाहिर है कि उन्होंने पूरी खबर जाने बिना ही फौरन राजनैतिक फायदे के लिए तथ्यहीन आरोप लगा दिए। इस आतंकी हमले के मृतकों में हिंदू, मुस्लिम, सिख सभी शामिल हैं। वैसे भी आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और वह धर्म देखकर किसी को निशाने पर भी नहीं लेता। क्योंकि आतंकवादी केवल व्यवस्था को बिगाड़ कर अराजकता और दहशत फैलाना चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर में व्यवस्था को पटरी पर आते देख यह हमला किया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस हमले पर अंग्रेजी में ट्वीट किया और इसमें उन्होंने मिलिटेंट शब्द का इस्तेमाल किया। अब इसी को लेकर उमर अब्दुल्ला को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है कि टेरेरिस्ट यानी आतंकी की जगह उन्होंने मिलिटेंट यानी उग्रवादी शब्द का इस्तेमाल किया। उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य बनाने का प्रस्ताव भी कैबिनेट से पारित करवाया है और उपराज्यपाल से इसकी मंजूरी भी मिल गई है, इस पर भी उन्हें आगाह किया जा रहा है कि पूर्ण राज्य बनाने का उनका सपना अधूरा रह सकता है। इस तरह की बातें न केवल संवेदनहीन और अदूरदर्शितापूर्ण हैं, बल्कि राज्य में शांति और स्थिरता कायम करने की कोशिशों में बाधा भी खड़ी करती हैं। जम्मू–कश्मीर में 10 साल बाद नयी सरकार को अभी व्यवस्था को संभालने और पटरी पर लाने में थोड़ा वक्त लग सकता है। ऐसे में केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि जिस राज्य को पूर्ण राज्य से उसने केंद्र शासित राज्य में तब्दील कर दिया था और दावा किया था कि इससे विकास और शांति का मार्ग प्रशस्त होगा, वह दावा धरातल पर खरा उतरता दिखाई दे। 2016 में नोटबंदी के वक्त नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर रोक लगने की बात कही थी, फिर अनुच्छेद 370 की समाप्ति पर भी यही दावा था। अभी चुनाव प्रचार में श्री मोदी ने कहा था कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद आखिरी सांसें ले रहा है।

बहराइच का दंगा: यह हिंदू राज नहीं तो और क्या है?

राजेंद्र शर्मा

उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले में महसी तहसील के तहत, हरदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत, दुर्गा पूजा की मूर्तियों के विसर्जन के जुलूस में हुई हिंसा और उसके बाद के घटनाक्रम के संकेतों को ठीक इसीलिए रेखांकित किया जाना जरूरी है कि इसमें अब कुछ ऐसा नहीं रह गया है, जो वाकई हैरान करता हो। मूर्ति विसर्जन के जुलूस के नाम पर, जिस तरह अपने हिंदू होने का दिखावा करने वालों ने अपने भड़काने वाले आचरण से हिंसा भड़कायीय जिस तरह कथित मुस्लिम पक्ष की ओर से इस उकसावे का हिंसक जवाब दिया गयाय इसके बाद जिस तरह पहले कथित रूप से हिंदू भीड़ों ने आम तौर पर प्रशासन–पुलिस की शह पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के घरों, दूकानों, प्रतिष्ठानों आदि पर कहर बरपा कियाय और अंत में खुद शासन–प्रशासन ने आगे बढ़कर यह जिम्मा संभाल लियाय यह सब अब कम से कम भाजपा–शासित राज्यों में तो इतना जाना–पहचाना हो चुका है कि यह सब न हो तो ही हैरानी होगी। मसलन कोई महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार, जिसमें किसी भी प्रकार के जुलूस की गुंजाइश हो, अगर भाजपा की डबल–इंजनिया सरकारों के दायरे से और खासतौर पर उ्क्षहदी पट्टी में ऐसी सभी सरकारों के दायरे से होकर शांति से गुजर जाए, तो ही हैरानी की बात होगी। फिर भी बहराइच में जो कुछ हुआ, उसमें भाजपायी राज में सामने आये इस फिनॉमिना के और आगे बढ़ने के कुछ तत्वों की निशानदेही करना निरर्थक नहीं होगा। बेशक, इसमें कुछ भी नया नहीं था कि जिद कर के मूर्ति विसर्जन का जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से ले जाया गया। जुलूस में, मुख्यमंत्री योगी के स्पष्टड्ड आदेशों के बावजूद कि किसी जुलूस आदि में डीजे नहीं बजाया जाएगा, न सिर्फ डीजे बजाया गया बल्कि उस पर सांप्रदायिक रूप से भड़काने वाले गाने बजाए गए। और जैसे इस उकसावे को हिंसा के बिंदु तक बढ़ाने की नीयत से ही, ऐन मस्जिद के सामने रुक कर, हमलावर अंदाज में और भी भड़काने वाले गीतों के साथ, न सिर्फ डीजे बजाया गया बल्कि मस्जिद पर भीड़ से, अपमानित करने की ही नीयत से तरह–तरह की चीजें उछाली भी गयीं। यह दूसरी बात है कि मस्जिद का ऊपर का हिस्सा कपड़े से ढका हुआ होने के चलते, जो सावधानी अब भाजपा–शासित राज्यों में खुद पुलिस ने सुनिश्चित करानी शुरू कर दी है, मस्जिद को कम से कम दिखाई देने वाला कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बहरहाल, बहराइच के मामले में यह किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो गया। इस सब के बाद, जोकि जाहिर है कि पुलिस की काफी संख्या में मौजूदगी के बीच हो रहा था, जुलूस में शामिल उग्र तत्वों के हौसले और बढ़ गए। बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के अनुसार, इस भीड़ के बीच से एक युवक, जिसका नाम बाद में पता चला कि राम गोपाल मिश्र था, हाथ में भगवा झंडा लेकर एक घर की छत पर चढ़ गया, जहां पर हरे रंग का एक झंडा लगा हुआ था, जो यह घर किसी मुसलमान का होने का इशारा करता था। पहले उसने घर की छत पर लगी रेलिंग पर भगवा झंडा लगाने की कोशिश की। लेकिन, बाद में संभवतरू नीचे से भीड़ के उकसावे पर उसका ध्यान हरे झंडे ने खींच लिया और वह इस इस्लामी झंडे को खींचकर गिराने में लग गया, जिस क्रम में घर की छत पर लगी लोहे की रेलिंग भी गिर गयी। बाद में, जो कि जाहिर है कि ये सब वीडियो में दर्ज नहीं हुआ या दर्ज नहीं किया गया था, उसी छत पर मिश्र को गोली मार दी गयी, जिससे बहुत ज्यादा खून बहने से उसकी मौत भी हो गयी। मरने वाला गरीब परिवार से और सिर्फ 22 वर्ष का था। कुछ ही महीने पहले उसका विवाह हुआ था।जैसा कि होना ही था, यहां से आगे दंगा भड़क उठा। इसके बाद, मुस्लिमविरोध्ी हिंसा का जो सिलसिला शुरू हुआ, अगली सुबह तक उसने बहुत ही भयंकर रूप ले लिया। महाराजगंज बाइपास बाजार में लाठियों, डंडों तथा अन्य हथियारों से लैस हजारों लोगों की भीड़ ने, पुलिस को मूक दर्शक बनाते हुए, जमकर मुसलमानों के घरों, दूकानों तथा अन्य प्रतिष्ठड्ढानों पर आगजनी तथा तोड़फोड़ की, जो सामने पड़ा उसके साथ मार–पीट की और बताया जाता है कि महिलाओं के साथ बदसलूकी भी की। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि बाद में, सीधे मुख्यमंत्री के आदेश पर हालात पर काबू पाने के लिए, शीर्षस्थ पुलिस अधिकारियों को हाथ में पिस्तौल ताने, सड़कों पर उतरकर यह संदेश देना पड़ा कि अब, पुलिस भीड़ के साथ सख्ती करेगी। इसके बाद ही तीसरे दिन कहीं जाकर, हिंसा और आगजनी का यह सिलसिला थमा। बहरहाल, सांप्रदायिक हिंसा के इस विस्फोट के साथ ही साथ एक विस्फोट और हुआ, झूठ के प्रचार का। खासतौर पर युवक रामगोपाल मिश्र की दुरूखद मौत के गिर्द, भगवा झूठ प्रचार तंत्र ने झूठ का तूफान खड़ा कर दिया। तरह–तरह के झूठे दावों के साथ, इस दुरूखद मौत को अपर्याप्त मानते हुए, उसके साथ श्दरिंदगीश का भयानक आख्यान खड़ा किया गया। एक दावा अगर यातनाएं देने के लिए सारे नाखून उखाड़े जाने का था, तो एक और दावा चाकू के छत्तीस या ज्यादा घाव लगने का। एक और दावा सारा शरीर गोलियों से छलनी किए जाने का था।आंख निकाले जाने, पेट फाड़कर आंतें बाहर निकाल दिए जाने, आदि–आदि के दावे भी किए जा रहे थे। और यह सब बहुत ही संगठित तरीके से, सोशल मीडिया पर तथा वाट्स एप ग्रुपों के जरिए फैलाया जा रहा था, ताकि इसके तमाम साक्ष्यों को इस झूठ के गऋड्ढर के नीचे दबाया जा सके कि जुलूस में शामिल उग्र भीड़ की करतूतों ने ही, हिंसा भड़कायी थी। बेशक, बाद में पोस्टमार्टम की रिपोर्ट ने इन तमाम झूठे दावों को नकार भी दिया और यह साफ कर दिया कि एक गोली लगने और उसके चलते ज्यादा खून बहने से ही, इस युवक की मौत हुई थी। लेकिन, तब तक झूठ की मशीन तो जन–धारणा बनाने का अपना काम कर चुकी थी। जन–धारणा यही कि हिंदुओं के साथ मुसलमानों ने ज्यादती की थी! आम तौर पर हिंदू खतरे में हैं और यह भी कि हिंदू बटेंगे तो कटेंगे! जाहिर है कि इस आखिरी संदेश का एक अपेक्षाकृत तात्कालिक उपयोग भी है। यह उपयोग उत्तर प्रदेश में होने जा रहे नौ सीटों के महत्वपूर्ण उपचुनावों के लिए है, जिन्हें खुद भाजपा में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ पर विश्वास या अविश्वास का निर्णय करने वाला माना जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि बहराइच का संदेश सिर्फ बहराइच तक ही सीमित नहीं है बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश तक बल्कि उससे भी आगे तक जाता है। भगवा झूठ प्रचार तंत्र के इस तरह पूरी तरह से झूठा हिंदू खतरे में का आख्यान गढ़ने में, सत्ताधारी भाजपा के नेता भी कूद पड़े। इस मामले में खास मुस्तैदी दिखाई देवरिया से सत्ताधारी पार्टी के विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने, जो मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के मीडिया सलाहकार रहे हैं और खुद टीवी पत्रिकारिता में रहे हैं। विधायक जी ने अपने ट्विटर हैंडल से बहराइच की घटनाओं की रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकारों की उनकी धार्मिक संबद्धता को संकेतित करते हुए बाकायदा सूची ही जारी कर दी, इस दावे के साथ कि उनका मुस्लिम होना इसका सबूत था कि मुस्लिम–पक्षधर रिपोर्टिंग हो रही थी! पत्रकार से भाजपा नेता बने त्रिपाठी जी ने इस सूची में खेल सिर्फ इतना किया था कि उन्हीं तथा अन्य मीडिया संस्थानों के सारे हिंदू पत्रकारों के नाम छांटकर अलग कर दिए थे! उधर भाजपा के प्रवक्ता, सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा के डबल इंजन राज में सांप्रदायिक हिंसा फूट पड़ने और अगले दिन भी जारी रहने पर किसी भी प्रकार की शर्मिंदगी महसूस करने के बजाए, बड़ी बेशर्मी से ऐसे दंगे होने को पिछले चुनाव के नतीजों से जोड़ने की कोशिश की, जिनमें विपक्ष की ताकत बढ़ी थी।

कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन दोनों के लिए महत्वपूर्ण

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 से 24 अक्टूबर को रूस के कजान स्थित तातारस्तान शहर में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में विस्तारित ब्रिक्स ब्लॉक के शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। यह शिखर सम्मेलन भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पुतिन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी ऐसे समय में इसमें भाग ले रहे हैं, जब उन्हें केनेडा में एक केनाडाई नागरिक की हत्या और अमेरिका में एक अन्य की हत्या के प्रयास में सरकारी एजेंसी की कथित संलिप्तता को लेकर अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियों के हाथों कूटनीतिक और राजनीतिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें इससे बाहर निकलना है और उन्हें गैर–पश्चिमी देशों से मैत्रीपूर्ण मदद की आवश्यकता है। क्वाड में भारत के रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद अमेरिका द्वारा कनाडा का पक्ष लेने से भारतीय प्रधानमंत्री को ठेस पहुंची होगी, जिन्होंने भारत–अमेरिका संबंधों से बहुत उम्मीदें लगाई थीं और हाल के वर्षों में ग्लोबल साऊथ को छोड़कर वर्तमान युद्ध में इजरायल पर पश्चिमी रुख का समर्थन किया, जिससे ग्लोबल साऊथ के सदस्य देशों को निराशा हुई। विकासशील देशों में भारत के सहयोगियों द्वारा दूरी बनाये जाने और केनेडा के मुद्दे पर पश्चिमी मित्रों द्वारा फटकार लगाये जाने के बाद, भारतीय प्रधानमंत्री उभरती विश्व व्यवस्था में भूमिका की तलाश में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। जहां तक राष्ट्रपति पुतिन का सवाल है, वे लंबे अंतराल के बाद यूक्रेन युद्ध, पश्चिम द्वारा प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा अभियोग के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। रूस ने पिछले दो वर्षों में प्रतिबंधों को झेला है, तथा उसकी अर्थव्यवस्था समृद्ध हुई है। राष्ट्रपति पुतिन इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से पश्चिम और दुनिया के सभी देशों को यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि रूस एक महाशक्ति के रूप में बना हुआ है और ऐसा ही रहेगा। तातारस्तान शिखर सम्मेलन में मूल पांच सदस्यों ब्राजील, भारत, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच और नये सदस्य–मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहली बार भाग लेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन ने दो दर्जन से अधिक अन्य देशों को आमंत्रित किया है जिन्होंने इस विस्तारित ब्लॉक की सदस्यता के लिए आवेदन किया है या विचार कर रहे हैं जो अब आर्थिक ताकत के मामले में सबसे बड़ा ब्लॉक है। इस शिखर सम्मेलन का विषय श्न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करनाश है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2024 ब्राजील में आने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन से अधिक महत्व रखेगा जिसमें पश्चिमी राष्ट्रों के साथ–साथ अग्रणी विकासशील राष्ट्र भी शामिल हैं। 2023 में भारत ने जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। 2024 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रितों सहित तीस से अधिक देशों की उपस्थिति देखी जा सकती है और यह सबसे बड़ा मंच होगा जिसमें बहुपक्षवाद और वैश्विक मुद्दों, विशेष रूप से पश्चिम एशियाई युद्ध और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की जायेगी। इनमें से अधिकांश देशों ने संयुक्त राष्ट्र में चर्चा के दौरान इजरायल के खिलाफ रुख अपनाया है। इजराइल मुद्दे पर खुद को अलग–थलग पाना नरेंद्र मोदी के लिए शर्मनाक होगा। गाजा में इजराइली लोगों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित प्रस्ताव पर भारत के पिछले मतदान से दूर रहने पर इन सदस्यों ने काफी नाराजगी जताई है। प्रधानमंत्री 22 और 23 अक्टूबर को दो दिनों के लिए शिखर सम्मेलन में रहेंगे। सम्मेलन में विचार–विमर्श के अलावा तीन द्विपक्षीय बैठकें बहुत महत्वपूर्ण हैं। पहली चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ, फिर राष्ट्रपति पुतिन के साथ और तीसरी सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता ईरान के राष्ट्रपति के साथ होगी। हालांकि द्विपक्षीय वार्ता के लिए सभी कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन यह काफी संभावना है कि ये सभी बैठकें होंगी क्योंकि चर्चा दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है। चीन के संबंध में, प्रधानमंत्री मोदी को भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों को उचित परिप्रेक्ष्य में रखने का मौका मिलेगा, जिसमें सीमा मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा जो अभी भी द्विपक्षीय संबंधों के विकास की प्रक्रिया को अवरुद्ध करने वाला एक अड़चन है। दोनों के बीच संवादहीनता है और दोनों प्रमुख एशियाई देश एक कलंक को ढो रहे हैं जो 1950 के दशक के उत्तरार्ध से जारी है। तब से दुनिया मौलिक रूप से बदल गई है। अब समय आ गया है कि द्विपक्षीय संबंधों को प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग के नये नजरिये से देखा जाए। यदि दोनों देशों के प्रमुख अपेक्षित राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हैं तो मोदी–शी बैठक में एक छोटी सी शुरुआत हो सकती है। रूस के संदर्भ में, राष्ट्रपति पुतिन भारत के भरोसेमंद मित्र बने हुए हैं और भारत के साथ संबंधों में सोवियत काल की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भुगतान संतुलन और मुद्रास्फीति के दबाव के मामले में भारत 2024 में बेहतर स्थिति में है, जिसका मुख्य कारण पिछले दो वर्षों में रूस द्वारा सस्ते कच्चे तेल की आपूर्ति है। भारतीय प्रधानमंत्री ने पहले भी राष्ट्रपति पुतिन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दोनों देशों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत–रूस सहयोग को बहुत अधिक उच्च स्तर तक बढ़ाने की बड़ी गुंजाइश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के उतार–चढ़ाव पर कुछ पुनर्विचार करना होगा। हाल के वर्षों में उनके और पीएमओ द्वारा निर्देशित कूटनीति ने विदेश मंत्रालय के अनुभवी अधिकारियों को हाशिये पर डाल दिया है। क्या इसने विश्व समुदाय में भारत की स्थिति के मामले में बेहतर काम किया है? भारत ने सार्क को लगभग छोड़ दिया है। भारत–पाकिस्तान तनाव के कारण अपार संभावनाओं वाला दक्षिण एशियाई देशों का संगठन निष्क्रिय है। पाकिस्तान अब सार्क को पुनर्जीवित करने में अग्रणी भूमिका निभाना चाहता है। अगर ऐसा होता है और दूसरे देश भी अनुकूल प्रतिक्रिया देते हैं, तो दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत का कद क्या रह जायेगा? एससीओ बैठक के संबंध में, भारत ने कुछ समय तक कोई सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। इस महीने, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को इस आधिकारिक स्थिति के साथ भाग लेने के लिए भेजा गया कि कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं होगी। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच दो छोटी–छोटी बातचीत ने भी अगर दरवाजा नहीं तो संवाद की खिड़की जरूर खोली। जरा सोचिए कि अगर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच पूर्ण द्विपक्षीय बैठक होती तो क्या होता। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने सही कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है–हमें हमेशा अतीत को नहीं देखना चाहिए। अपने तीसरे कार्यकाल के पहले वर्ष प्रधानमंत्री के पास भारत की विदेश नीति को देश के सर्वोत्तम हितों और वैश्विक कूटनीति की नयी वास्तविकताओं के अनुरूप बदलने का मौका है।

दिवाली के मौके पर जीफ की सीरीज, 'मिथ्या, द डार्कर चौप्टर' का होगा प्रीमियर

> कपिल शर्मा के डायरेक्शन में बनी और अप्लॉज एंटरटेनमेंट तथा रोज ऑडियो विजुअल प्रोडक्शन द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई इस सीरीज में दो सौतेली बहनों, जूही (हुमा कुरैशी के किरदार) और रिया (अवंतिका दासानी के किरदार) के बीच जटिल और लगातार बदलते रिश्तों की दास्तान के साथ-साथ उन दोनों के बीच बदले और इंतकाम की भावना के साथ जारी संघर्ष को दिखाया गया है।

विभिन्न भाषाओं की कहानियों को दर्शकों तक पहुँचाने वाले भारत के सबसे बड़े घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, जी5 ने आज अपनी ऑरिजिनल सीरीज एवं साइकोलॉजिकल ड्रामा,'मिथ्यादृ द डार्कर चौप्टर' का ट्रेलर रिलीज किया। कपिल शर्मा के डायरेक्शन में बनी और अप्लॉज एंटरटेनमेंट तथा रोज ऑडियो विजुअल प्रोडक्शन द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई इस सीरीज में दो सौतेली बहनों, जूही (हुमा कुरैशी के किरदार) और रिया (अवंतिका दासानी के किरदार) के बीच जटिल और लगातार बदलते रिश्तों की दास्तान के साथ–साथ उन दोनों के बीच बदले और इंतकाम की भावना के साथ जारी संघर्ष को दिखाया गया है। मिथ्या इस बार दिवाली के अवसर पर जी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है, जिसमें नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता, अवंतिका अकेरकर, रुशाद राणा और कृष्णा बिष्ट ने भी अहम किरदार निभाए हैं। मिथ्या द डार्कर चौप्टर के ट्रेलर में दर्शकों को एक बार फिर से दो सौतेली बहनों, जूही और रिया के बीच के जबरदस्त साइकोलॉजिकल ड्रामा की झलक दिखाई देती है। अपनी किताब धुंध की कामयाबी का आनंद ले रही जूही की दुनिया में उस वक्त अचानक उथल–पुथल मच जाती है, जब एक रहस्यमय लेखक अमित चौधरी (नवीन कस्तूरिया का किरदार) उस पर अपनी रचनाओं की चोरी का आरोप लगाता है। इस बीच, रिया अभी भी अपने पिता का प्यार पाने के लिए योजना बना रही है और साजिश रच रही है, लेकिन क्या प्यार और अपनापन पाने की उसकी चाहत बदले और चालबाजी की लड़ाई में बदल जाएगी? इस सीरीज में खून बनाम खून की कहानी दिखाई गई है, जिसमें परिवार के आपसी रिश्तों को कसौटी पर परखा जाता है, जहाँ दोनों महिलाएँ एक–दूसरे को पूरी तरह बर्बाद करने के लिए नैतिकता की सभी सीमाओं को पार करके झूठ और धोखे के गंदे खेल का सहारा लेती हैं।इस बार दोनों बहनें एक–दूसरे के निशाने पर हैं, जिसका नतीजा और भी घातक होने वाला है। रिया के खिलाफ इस लड़ाई में बेरहम जूही चीजों को कुछ ज्यादा ही आगे ले जाती है। अंत में बाजी पलटती है और दोनों बहनें खुद को एक–दूसरे की जगह खड़ा पाती हैं। इसके अलावा, अमित के किरदार के आने से ड्रामा और मसाला का तड़का लगता है और दोनों बहनों की जिंदगी की परेशानियाँ और बढ़ जाती हैं, जिससे यह सीरीज दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाली साइकोलॉजिकल थ्रिलर बन जाती है। 1 नवंबर को जी5 पर ट्यून करें, और देखें कि फरेब और इंतकाम की इस लड़ाई में आखिर जीत किसकी होती है। मिथ्या द डार्कर चौप्टर के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए, हुमा कुरैशी ने कहा, मैं मिथ्या की वापसी से बेहद उत्साहित महसूस कर रही हूँ! इस शो ने मुझे एक एक्टर के तौर पर अपनी कालबिलियत के बिल्कुल अलग पहलू को दर्शकों के सामने लाने के लिए प्रेरित किया है। मैंने एक ऐसा किरदार निभाया है, जो हालात की वजह से लाचार महसूस करती है और उसमें बदले की भावना भर गई है। मैं इस सीरीज के मेकर्स की शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने इस रोमांचक, दमदार भूमिका के लिए मुझे अवसर दिया है और अब मैं अपने किरदार की जिंदगी के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। जबरदस्त ड्रामा और कहानी में चौंकाने वाले मोड़ के साथ, इस सीरीज का ट्रेलर तो सिर्फ आगे के रोमांचक सफर की झलक दिखाता है। दशकों से मेरी गुजारिश है कि वे 1 नवंबर को जी5 पर ट्यून करें, और देखें कि इसमें आगे और क्या–क्या होने वाला है। इस मौके पर अवंतिका दसानी ने कहा, "मैं 'मिथ्या– द डार्कर चौप्टर' के लिए अपनी खुशी बयां नहीं कर सकती! मैंने इस शो के साथ डेब्यू किया था, जिसके बाद मेरी शख्सियत के साथ–साथ एक प्रोफेशनल के तौर पर भी मुझमें काफी बदलाव आया है। मैं सचमुच एहसानमंद हूँ कि मुझे इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका मिला है, साथ ही सबसे कम उम्र की होने के नाते मैंने पूरी कास्ट से बहुत कुछ सीखा है। रिया का किरदार काफी पेचीदा और दिलचस्प है, और इस सीजन में बदले और धोखे का सामना करते हुए उसका सफर नई ऊँचाइयों पर पहुंचता है। दर्शकों की तरह मैं भी बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ कि, वे आगे आने वाले रोमांचक मोड़ का अनुभव करें और 1 नवंबर को जी5 पर इस शो के प्रीमियर का भरपूर आनंद लें।" नवीन कस्तूरिया ने कहा, पहले सीजन में जबरदस्त कामयाबी पाने वाले ऐसे बेहतरीन शो का हिस्सा बनकर मुझे खुशी के साथ–साथ जिम्मेदारी भी मिली है, जिसे मैं बड़े उत्साह के साथ निभाने के लिए तैयार हूँ। मैं अब तक जो भी किरदार निभाए हैं यह उन सब से अलग है, जो यकीनन दर्शकों के लिए बिल्कुल नया और दिलचस्प होने वाला है। हुमा कुरैशी और रजित कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव मेरे लिए सचमुच बड़ा रोमांचक रहा है। वे दोनों बेहतरीन कलाकार हैं और मुझे उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने में बहुत मजा आया। मैं चाहता हूँ कि दर्शक देखें कि 'मिथ्या' की रोमांचक दुनिया में मेरा किरदार किस तरह सामने आता है।

दिल चाहता है की याद दिलाता है स्ट्रीमिंग शो रात जवान है : सुमित व्यास

हाल ही में रिलीज स्ट्रीमिंग शो रात जवान है को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया पाने वाले अभिनेता–निर्देशक सुमित व्यास ने कहा कि उन्होंने शो की कहानी कहने की प्रक्रिया के लिए फिल्म दिल चाहता है का अनुसरण किया है। सुमित के कहने का आशय है कि यह सीरीज नौजवानों की कहानी है, जो जीवन की खोज में निकलते हैं और दोस्ती के मायने के बारे में बात करते हैं। दिल चाहता है' में आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में थे। यह एक ऐसी सदाबहार फिल्म है, जो यह दिखाती है जीवन की जिम्मेदारियों के साथ दोस्ती कैसे बदलती है। इस शो में बरुण सोबती मुख्य भूमिका में हैं और यह किशोरावस्था और शुरुआती समय में बच्चों के पालन–पोषण की उतार–चढ़ाव भरी यात्रा को दर्शाता है। साथ ही यह जीवन के विभिन्न चरणों में माता–पिता के बीच दोस्ती को दिखाता है, विशेष रूप से माता–पिता की खुशियों और चुनौतियों को। शो और इसकी थीम के बारे में बात करते हुए सुमित ने कहा, दोस्ती की कहानियां अक्सर शादी या बच्चों के आने पर खत्म हो जाती हैं, लेकिन यह शो अलग है। यह इस बात पर जोर देता है कि दोस्ती इन महत्वपूर्ण जीवन परिवर्तनों का सामना कैसे करती है। कई लोगों के लिए बच्चों के पालन–पोषण के शुरुआती वर्षों के दौरान दोस्ती बनाए रखना मुश्किल लगता है क्योंकि वे अपने बच्चों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। सीरीज तीन दोस्तों की कहानी पर आध ाारित है जो बच्चों के पालन–पोषण की चुनौतियों का सामना करते हैं, और जीवन के उतार–चढ़ाव के बीच अपने बंधन की मजबूती से बनाए रखते हैं। यामिनी पिक्चर्स द्वारा निर्मित और ख्याति आनंद–पुथरन द्वारा निर्मित, इस शो में अंजलि आनंद और प्रिया बापट भी हैं। रात जवान है सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रहा है।

सोनम कपूर 'डिओर' की नयी ब्रांड एम्बेसडर बनीं

फ्रांस के लग्जरी फैशन हाउस 'डिओर' ने बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। कंपनी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और प्रतिष्ठित फैशन आइकन सोनम क्रिएटिव डायरेक्टर मारिया ग्रेजिया चिउरी के डिजाइन किए गए ब्रांड के सामान का प्रचार करेंगी। ''नीरजा'', ''खूबसूरत'' और ''रांझना'' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाली 39 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि वह डिओर का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हैं क्योंकि वे लगातार कुछ अलग कर रहे हैं और फैशन की दुनिया में रचनात्मकता तथा शिष्टता की नयी परिगढ़ रहे हैं। सोनम ने एक बयान में कहा, ''उनका हर एक सामान जटिल शिल्प कौशल के साथ वास्तव में एक अनूठी दृष्टि प्रस्तुत करता है और विरासत का जश्न इस तरह से मनाता है जो मेरी अपनी फैशन शैली से मेल खाता है।'' कपूर को हाल में अपराध थ्रिलर फिल्म ''ब्लाइंड'' में देखा गया था जो 2023 में जियो सिनेमा पर आयी थी।

एक चीज जो मैंने हमेशा से पसंद की है, वह है दौड़ना : नेहा धूपिया

नेहा धूपिया ने दौड़ के प्रति अपने लंबे समय से चले आ रहे प्रेम को साझा करते हुए बताया कि यह उनके लिए स्वतंत्रता पाने का तरीका रहा है चाहे उनकी मनोदशा कैसी भी हो या उनकी गति कितनी भी धीमी या तेज हो। वायरल हुई दौड़ की कई वीडियो के बाद, नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा की जिसमें उन्होंने अपने जीवन में दौड़ के गहरे महत्व को बताया। पोस्ट में लिखा था, एक चीज जो मैंने हमेशा से पसंद की है वह है दौड़ना... चाहे मैं खुश हूं, उदास हूं, स्वतंत्र हूं, या व्यस्त हूं। दौड़ना हमेशा मेरे लिए खुद को स्वतंत्र महसूस करने का एक तरीका रहा है, चाहे मैं कितनी भी तेज या एथलेटिक रही हूं। यह मेरे शरीर को सुनने और किसी भी दिन अपनी ताकत खोजने के बारे में है... जैसे–जैसे मैंने और अधिक दौड़ना शुरू किया, मुझे दौड़ने वाले समुदाय के कई अविश्वसनीय लोगों से मिलने का मौका मिला और मैंने महसूस किया कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से कितने मजबूत और अनुशासित थे। यह समुदाय लगातार बढ़ रहा है और इसने मुझे महिलाओं और छोटी लड़कियों को स्वस्थ बनाने के लिए एक छोटा कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इसलिए, अपनी दौड़ने की साथी @anita_lobo13 के साथ, हमने@goflorun की शुरुआत की है, एक शानदार दौड़ जो शहर और राष्ट्र भर की 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं और लड़कियों को हमारे साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। दौड़ने वाले समुदाय की अविश्वसनीय अनुशासन और शक्ति से प्रेरित होकर, नेहा ध ूपिया ने अपनी दौड़ने की साथी और राष्ट्रीय स्तर की एथलीट अनीता लोबो के साथ गो फलो रन की शुरुआत की है। यह अनूठी दौड़ महिलाओं और लड़कियों को भाग लेने और अपनी सेहत को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करती है। गो फलो रन का उद्देश्य महिलाओं को उनके फिटनेस सफर पर नियंत्रण लेने के लिए एक सहायक स्थान प्रदान करना है, जिससे वे स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ा सकें।

शादी के 9 साल बाद दृष्टि धामी बनीं मां, पहली संतान के लिए किया लंबा इंतजार, एक्ट्रेस ने बयां की अपनी कहानी

आखिरकार वह दिन आ ही गया! टीवी अभिनेत्री दृष्टि धामी ने आखिरकार अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दृष्टि धामी और उनके पति नीरज खेमका अब एक बच्ची के माता–पिता बन गए हैं। दृष्टि ने मंगलवार को यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक प्यारे से कैप्शन के साथ खुशखबरी साझा की। जिन्हें नहीं पता, उनकी प्रेग्नेंसी के 10वें महीने में दृष्टि की बच्ची का जन्म हुआ।

दृष्टि धामी ने बच्ची को दिया जन्म

अभिनेत्री दृष्टि धामी और उनके पति नीरज खेमका ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। इस जोड़े ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक प्यारी सी पोस्ट के ज़रिए अपने प्रशंसकों के साथ खुशखबरी साझा की। जोड़े ने संयुक्त रूप से अपनी घोषणा में लिखा, ष्सीधे स्वर्ग से हमारे दिलों में। एक बिल्कुल नई ज़िंदगी, एक बिल्कुल नई शुरुआत,ष उन्होंने साझा किया कि उनके बच्चे का जन्म 22 अक्टूबर, 2024 को होगा।

दृष्टि धामी को लोगों ने दिया आशीर्वाद

मनोरंजन उद्योग में उनके दोस्तों ने जोड़े की घोषणा का प्यार और बधाई दी। शक्ति अरोड़ा, किश्वर मर्चेंट, आदित्य सील और दिशा परमार जैसे अभिनेताओं ने नए माता–पिता को हार्दिक शुभकामनाएँ भेजीं। न केवल उनके सहकर्मियों ने बल्कि उनके प्रशंसकों ने भी उन्हें इस खबर के लिए बधाई दी। एक प्रशंसक ने लिखा, श्श्दुनिया में आपका स्वागत है, नन्हे! बहुत रोमांचित हूँ कि तुम यहाँ हो! यह बहुत अच्छी खबर है!! हम वास्तव में आभारी और उत्साहित हैं कि आपका नया बच्चा सुरक्षित और स्वस्थ आ गया है। एक और ने लिखा आप गर्वित माता–पिता के रूप में अपनी नई भूमिका में बहुत खुशी और आनंद पाएं। आप सभी को शुभकामनाएं और ढेर सारा प्यार। आप दोनों और आपके परिवार को बधाई। वह यहाँ है, आपकी और नीरज की परी। गुरुजी आपके परिवारों को हमेशा अनंत खुशियों का आशीर्वाद दें।

दृष्टि धामी ने 14 जून को अपनी गर्भावस्था की घोषणा की

दृष्टि धामी ने 14 जून को अपनी गर्भावस्था की घोषणा की। इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक क्लिप में, दृष्टि और नीरज एक बैनर पकड़े हुए दिखाई दे रहे थे, जिस पर लिखा था, ष्गुलाबी हो सकता है, नीला हो सकता है। हम बस इतना जानते हैं कि हम आने वाले हैं! अक्टूबर 2024 ।ष इस बीच, काम के मोर्चे पर, दृष्टि को आखिरी बार गुलशन देवैया के साथ सह–कलाकार दुरंगा सीरीज़ में देखा गया था। इसके अलावा, वह कई टीवी धारावाहिकों का भी हिस्सा रही हैं, जैसे दिल मिल गए, गीत – हुई सबसे परायी, मधुबाला – एक इश्क एक जुनून, और एक था राजा एक थी रानी आदि।

रात भर चेहरे पर बेसन लगाने से क्या होता है? जानें एक्सपर्ट की राय

हर किचन में बेसन का प्रोयग खाने के लिए किया जाता है, लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल ब्यूटी के लिए भी किया जाता है। स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है बेसन। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए बेसन का प्रयोग किया जाता है। कई कॉस्मेटिक कंपानियां अपने प्रोडक्ट में बेसन का प्रयोग करती है। स्किन के लिए बेसन बेहद फायदेमंद होता है। यदि आप रात भर में बेसन लगाते हैं , तो जान लें यह सही है या गलत।

रातभर बेसन लगाना कितना सही?

अगर आप भी चेहरे पर रंगत लाने के लिए बेसन लगाते हैं, तो जानें कितना सही है। यदि आप रात को बेसन लगाते हैं तो स्किन संबंधित कई समस्याएं दूर रहती है। त्वचा की रंगत में सुधार करता है। दाग–धब्बे को दूर करता है। इसके साथ ही मुंहासे के छुटकारा भी पाया जाता है। अगर आप भी रात भर बेसन लगाकर सोते हैं, तो जान लें कितनी ठीक है।

चेहरे पर रातभर बेसन लगाने के फायदे

– दरअसल, चेहरे पर रात भर बेसन लगाने से ऑयल कंट्रोल रहता है। बेसन लगाने से त्वचा से अतिरिक्त तेल निकल जाता है। इससे आपकी ऑयली स्किन से छुटकारा मिल जाता है।

– वहीं, यह कील–मुंहासे को दूर करता है। यदि आप भी चेहरे पर मौजूद एक्ने या मुंहासे से परेशान हैं तो बेसन लगाना सबसे बढ़िया होता है।

– चेहरे पर रातभर बेसन लगाकर रखने से त्वचा एक्सफोलिए होती है। बेसन डेड स्किन सेल्स को रिमूव करता है।

– यदि आप चेहरे पर रात को बेसन लगाते हैं तो इससे चेहरे का ग्लो बढ़ेगा। इससे त्वचा की रंगत बढ़ेगी। इसके साथ ही दाग–धब्बों से भी छुटकारा मिल सकता है।

कैसे लगाएं बेसन

– चेहरे पर बेसन लगाने के लिए 2–3 चम्मच बेसन लें।

– फिर पानी या गुलाब जल मिलाएं।

– आप इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला सकते हैं।

– फिर आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और बाद में चेहरे को अच्छे से धो लें।

दिवाली की सफाई हो जाएंगी आसान, ट्राई करें ये क्लीनिंग हैक्स

दिवाली का त्यौहार जल्द ही दस्तक देने वाला है। इस खास मौके पर लोग अपने घरों में साफ–सफाई करने में जुट जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घर की अच्छे से साफ–सफाई करने से लक्ष्मी वास करती है, लेकिन घर की सफाई अच्छे से करना हमारे लिए बहुत ही बड़ी चुनौती बन सकती है।ऐसे में हर कोई अभी से अपने घर को साफ करने में लग गया है। अगर आपके घर पर भी दिवाली की सफाई शुरू हो गई है, तो हम यहां कुछ आसान सफाई हैक्स देने जा रहे हैं, जो आपके दिवाली की तैयारी को आसान और प्रभावी बनाएंगे।

नींबू और बेकिंग सोडा

नींबू का रस और बेकिंग सोडा मिलाकर एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट का उपयोग टाइल्स, बाथरूम और किचन के दाग हटाने के लिए करें। यह प्राकृतिक तरीके से सफाई करता है और सुगंध भी छोड़ता है।

सफेद विनेगर

सफेद विनेगर का उपयोग किचन में चकनाचूर होने वाले दागों को हटाने के लिए करें। इसे स्प्रे बोतल में भरकर सतहों पर छिड़कें और कुछ देर बाद पोंछ लें। यह आपके किचन को चमकदार बनाएगा।

पुराने टूथब्रश का उपयोग

पुराने टूथब्रश का उपयोग छोटी जगहों की सफाई के लिए करें, जैसे कि टाइल्स के बीच की दरारें या नल के आस–पास। यह आपको कठिन जगहों पर पहुँचने में मदद करेगा।

बिना झंझट के ऐसे साफ हो जाएंगे पर्दे

घर में खिड़कियों और दरवाजों पर लगे पर्दों को धोना है तो पहले गर्म पानी करें और वाइट विनेगर के साथ डिटर्जेंट पाउडर मिलाकर भिगोकर रख दें. फिर चाहे आप इसे मशीन में धोएं या फिर हाथों से सारा मैल आराम से निकल जाएगा और पर्दे नए जैसे दिखाई देने लगेंगे. पर्दे पर लगे दाग–धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे.

ऐसे करें पंखों को साफ नहीं फैलेगा कचरा

पंखे के ब्लेड पर लगे कचरे को झाड़ू से निकालते समय यह पूरे घर में फैल जाते हैं, और आसपास रखी साफ चीजें भी गंदी हो जाती है। ऐसे में पुराने तकिए के कवर को ब्लेड के ऊपर पहनाएं और इसे अपनी खींचते हुए ब्लेड्स को साफ करें।

दीयों की सफाई

पुराने दीयों को साफ करने के लिए उन्हें गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद, एक सूती कपड़े से पोंछें। इससे दीये चमकने लगेंगे और नए जैसे दिखेंगे।

गद्दे की सफाई आसान तरीके से

गद्दे को भी समय–समय पर अच्छी सफाई की जरूर होती है. इस पर जमी धूल से छुटकारा पाने के लिए इसे वैक्यूम कर सकते हैं. इसके अलावा अपने गद्दे को बेकिंग सोडा और विनेगर से भी साफ कर सकते हैं. एक बोतल में विनेगर लें और इसे पूरे गद्दे पर स्प्रे करें. फिर इस पर चारों तरफ बेकिंग सोडा छिड़कें और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें. फिर, या तो इसे सावधानी से ब्रश करें, या इसे वैक्यूम कर लें.दिवाली की सफाई में परिवार के सभी सदस्यों को शामिल करें। इससे न केवल काम जल्दी होगा, बल्कि सभी को एक साथ मिलकर काम करने का मजा भी आएगा।इन सरल सफाई हैक्स का पालन करके आप दिवाली के लिए अपने घर को खूबसूरती से तैयार कर सकते हैं। यह न केवल आपके घर को सजाने में मदद करेगा, बल्कि आपके मन में भी खुशी और उत्साह बढ़ाएगा। दिवाली की शुभकामनाएं!

इन 5 चीजों को भिगोकर खाने से दोगुनी होगी आपकी उम्र!

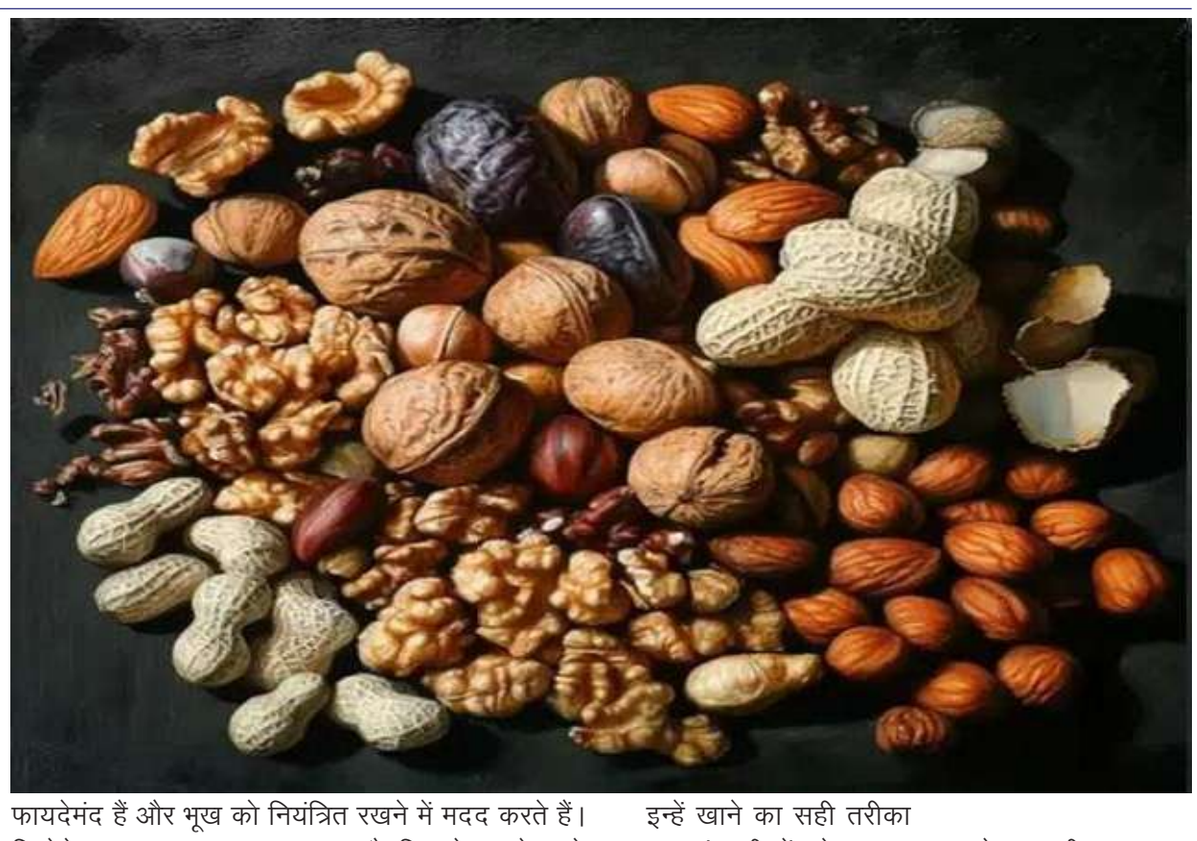

आजकल सेहतमंद जीवन जीने की चाहत में लोग कई उपाय अपनाते हैं। ऐसे में नट्स और सीड्स को रात भर पानी में भिगोकर खाने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह न सिर्फ स्वाद में सुधार लाता है, बल्कि इनसे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ भी अद्भुत होते हैं। आइए, जानते हैं इन पांच चीजों के बारे में जो आपकी उम्र को दोगुना कर सकती हैं।

बादाम

बादाम इस लिस्ट का पहला और सबसे महत्वपूर्ण आइटम है। इनमें अच्छे फैट्स होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। भिगोने से बादाम के पोषण तत्व और भी सक्रिय हो जाते हैं। यह हार्ट हेल्थ के लिए भी बेहतरीन है और विटामिन–ई की उपस्थिति हमारी त्वचा और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में सहायक है।

मेथी दाना

मेथी के दाने शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं। भिगोई हुई मेथी का सेवन पाचन समस्याओं को दूर करने के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी प्रदान करता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मददगार होते हैं।

चिया सीड्स

चिया सीड्स को ओमेगा–3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। ये दिल की सेहत के लिए अत्यंत फायदेमंद हैं और भूख को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। भिगोने पर इनका आकार बढ़ जाता है, जिससे यह पेट को अधिक समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं।

किशमिश

किशमिश आयरन का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को जल्दी ही पूरा कर सकता है। भिगोई हुई किशमिश पेट साफ करने में मदद करती है, जिससे पाचन बेहतर होता है और ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज विटामिन–ई का बेहतरीन स्रोत हैं, जो त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें मैग्नीशियम की उपस्थिति भी होती है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है।

इन्हें खाने का सही तरीका

इन पांच चीजों को एक साथ खाने का तरीका आसान है। सबसे पहले, बादाम को एक कटोरी में और बाकी सभी चीजों को एक बड़ी कटोरी में रात भर पानी में भिगोकर रखें। सुबह, इन्हें पानी से निकालकर दही के साथ मिलाएं। चाहें तो स्वाद के लिए इसमें थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं।

इन पांच चीजों को भिगोकर खाने से आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि अपनी उम्र को भी बढ़ा सकते हैं। एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करें और इसके अद्भुत फायदों का अनुभव करें। लंबे और स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ते हुए, ये साधारण नुस्खे आपके लिए रामबाण साबित हो सकते हैं।

खुली बातचीत, मजबूत बंधन... पार्टनर से इंटिमेसी के बारे में बात करें, बेहतर होगा रिश्ता

इंटिमेसी मजेदार होता है, लेकिन कभी–कभी यह ऐसा मुद्दा बन जाता है, जो रिश्ते में समस्याएं पैदा करने लगता है। ज्यादातर कपल्स अपनी इंटिमेसी समस्याओं के बारे में बात करने से बचते हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है या वे नहीं जानते कि इस मुद्दे पर बातचीत कैसे करें। लेकिन कपल्स को याद रखना चाहिए कि जब तक वह बात नहीं करेंगे तब तक उन्हें अपनी समस्याओं का कोई समाधान नहीं मिलेगा। आइए कुछ सामान्य इंटिमेसी समस्याओं पर नजर डालते हैं और इनके समाधानों के बारे में बात करते हैं। इन चीज़ों के बारे में बात करने से आपका रिश्ता मज़बूत और स्वस्थ हो सकता है। लाइसेंस प्राप्त इंटिमेसी थेरेपिस्ट टॉड बारात्ज़ ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी जोड़ों को यौन समस्याएं होती हैं। और अधिकांश जोड़े उनसे बचते हैं। यौन चुनौतियों की अपेक्षा की जानी चाहिए। जल्द से जल्द समाधान करें। इंतजार न करें। इससे पहले कि यह पुरानी हो जाए और बड़ी दूरी का कारण बन जाए, असुविधा से बाहर निकलें। उन्होंने आगे लिखा, इन चुनौतियों और लक्ष्यों को मज़ेदार अवसरों के रूप में लें। मुझे पता है कि यह कहने के लिए एक थेरेपिस्ट की बात है, लेकिन यह इंटिमेसी है। जागो। यह मज़ेदार और खोजपूर्ण होना चाहिए। अपने बारे में नई चीज़ें सीखें और अपने साथी के साथ ऐसा करें। यही वास्तव में आकर्षक है। अपनी कामुकता के बारे में संवेदनशील होने और उन पलों को साझा करने में सक्षम होना बेहद उत्तेजक हो सकता है। इसलिए इस चीज़ को अपनाएं। यह साथ में डिनर के लिए एक नई रेसिपी बनाने जैसा है। गड़बड़ करें। मज़ेदार बनें। इसे आज़माएं। यह बिल्कुल भी स्वादिष्ट नहीं हो सकता। यह खराब भी हो सकता है, लेकिन फिर आप इसे बदल सकते हैं और कुछ और आज़मा सकते हैं।

अलग–अलग स्तर की यौन इच्छाएं होना

आपके और आपके पार्टनर की अलग–अलग स्तर की यौन इच्छाएं हो सकती है। इसलिए अपनी और अपने पार्टनर की इच्छाओं के अलग–अलग स्तरों का सम्मान करें और बातचीत पर समाधान निकाले। इच्छाओं के अलग–अलग स्तर हमेशा रहेंगे। मतभेदों से निपटने और उन्हें प्रबंधित करने के लिए रणनीति बनाएं। यह जरूरी है वरना इंटिमेसी लाइफ परेशानी से भर सकती है।

इंटिमेसी के लिए समय नहीं मिलता, इसे शेड्यूल करें

इंटिमेसी मजेदार होना चाहिए और लोगों को लगता है कि अचानक इसे करने से यह बेहतर होता है। नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। इंटिमेसी के लिए समय नहीं मिल रहा है तो इसे शेड्यूल करें। एक समय तय करें, गंदे इंटिमेसी संदेश भेजें, ठीक से योजना बनाएं कि आप क्या करने जा रहे हैं, बिस्तर पर आने तक उत्तेजना का निर्माण करना जारी रखें।

इंटिमेसी करने पर नहीं, इसके बारे में बात करने पर ध्यान केंद्रित करें

इंटिमेसी, कामुकता और फैंटसी के बारे में लगातार बातचीत करें। अच्छे इंटिमेसी के लिए अच्छे संचार की आवश्यकता होती है, न कि किसी विशेष तकनीक या स्वाद की। अधिकांश लोग इंटिमेसी के बारे में खुलकर बात करने में असहज होते हैं क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं किया है। असहजता को दूर करें और जल्द से जल्द बात करना शुरू करें।

अपनी इच्छाओं को व्यक्त कर के देखें

इंटिमेसी में बहुत चीजें होती हैं, जो आप करना चाहते हैं पार्टनर के साथ इसपर बातचीत करें। अपनी इच्छाएं व्यक्त करने से मदद मिल सकती है। टेक्स्ट करें, नोट लिखें, जब वे हॉट दिखें तो एक–दूसरे के कान में फुसफुसाकर देखें। इच्छा सिर्फ़ इंटिमेसी के दौरान होने वाली कोई चीज़ नहीं है। अगर आप चाहें तो इच्छा हर समय हो सकती है। इसका फ़ायदा उठाएं और सुनिश्चित करें कि आपका साथी नियमित रूप से यह महसूस करे कि आप उसे चाहते हैं।

संक्षिप्त

मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, सरकार औद्योगिक विकास की दिशा में उठी रही कदम : मोहन यादव

रीवा (मध्य प्रदेश)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और उनकी सरकार इसके औद्योगिक विकास की दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन (आरआईसी) राज्य के विंध्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में आयोजित आरआईसी के पांचवें संस्करण के उद्घाटन से पहले यादव ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''मध्य प्रदेश में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यहां ढेरों अवसर मौजूद हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह खुशी की बात है, खासकर जिस तरह से सरकार द्वारा राज्य को औद्योगिक दृष्टि से विकसित करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।'' आरआईसी के बारे में उन्होंने कहा, ''आज का दिन विंध्य क्षेत्र के लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन साबित होगा। यह इसे प्रगति को मौका देगा खासकर युवाओं को सक्षम बनाकर और उन्हें रोजगार से जोड़कर जो आज की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्स विंध्य क्षेत्र को निवेश और औद्योगिक अवसरों के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' 2025 को उद्योग व रोजगार का वर्ष घोषित किए जाने के मद्देनजर राज्य में आयोजित होने वाला आरआईसी एक बड़ी उपलब्धि है।'' एक अधिकारी के अनुसार, रीवा में आयोजित इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चार हजार से अधिक प्रतिभागियों ने अपने नाम पंजीकृत किए हैं। इनमें 50 से अधिक प्रमुख निवेशक तथा तीन हजार से अधिक एमएसएमई उद्यमी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य राज्य के प्रमुख क्षेत्रों ऊर्जा, खनन, कृषि, दुग्ध, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन और हस्तशिल्प में निवेश को प्रोत्साहित करना है।

पेटीएम को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने के लिए एनपीसीआई से मंजूरी मिली

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पेटीएम को राहत देते हुए सभी प्रक्रियागत दिशा–निर्देशों और परिपत्रों के अनुपालन की शर्त पर उसे नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है। पेटीएम ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को दी गयी जानकारी में बताया, "...हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि 22 अक्टूबर 2024 के पत्र के माध्यम से, भारतीय

राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सभी एनपीसीआई प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के साथ कंपनी को नए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जोड़ने की मंजूरी दे दी है।" कंपनी ने इसके साथ ही एनपीसीआई द्वारा जारी किया गया मंजूरी पत्र भी लगाया है। पत्र के अनुसार, यह अनुमोदन एनपीसीआई द्वारा समय–समय पर जारी किए गए सभी प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों और परिपत्रों के पालन के अधीन है, जिसमें विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन, ऐप और क्यूआर के लिए ब्रांड दिशानिर्देश, बहु–बैंक दिशानिर्देश, टीपीएपी बाजार हिस्सेदारी और ग्राहक डेटा पर जारी दिशानिर्देश और परिपत्र शामिल हैं।

अब Zomato से खाना मंगाना ग्राहकों को पड़ेगा महंगा, Festive Season के बीच कंपनी ने बढ़ाई प्लेटफॉर्म फीस

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। त्योहारों पर अब रेस्टोरेंट से खाना घर पर मंगाना काफी आम चलन है। फूड डिलीवरी ऐप जैसे जोमैटो और स्विगी के जरिए आसानी से लोग घर बैठे खाना ऑर्डर करते है। इसी बीच फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो ने अपनी डिलीवरी में बड़ा बदलाव किया है। जोमैटो ने त्योहारी सीजन को देखते हुए अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म शुल्क को सात रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है। इस संबंध में ऐप पर भी नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि जोमैटो को चालू रखने के लिए बिलों के भुगतान में ये शुल्क कंपनी की मदद करता है। त्योहारों को देखते हुए सर्विस बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस शुल्क में थोड़ी सी बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले अगस्त 2023 में जोमैटो ने मुनाफा मार्जिन बढ़ाने के अपने प्रयासों को मजबूती देने के उद्देश्य से पहली बार 2 रुपये का प्लेटफॉर्म शुल्क पेश किया था। बाद में इस शुल्क को बढ़ाकर 3 रुपये किया गया था। इस वर्ष एक जनवरी को प्लेटफॉर्म शुल्क को बढ़ाकर चार रुपये किया गया था। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2023 में जोमैटो ने 64.7 करोड़ का ऑर्डर वॉल्यूम दर्ज किया था। इसके शुल्क ढांचे में 1 रुपये की वृद्धि से सालाना 65 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। जोमैटो ने 22 अक्टूबर को दूसरी तिमाही के लिए लाभ में वृद्धि की घोषणा की, जो उम्मीदों से कम रही, जिसका मुख्य कारण इसके ष्डार्क स्टोर्सष के विस्तार में निवेश से मार्जिन पर दबाव था, जिसका उपयोग इसके ब्लिंकिट क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर पूरा करने के लिए किया जाता है। गौरतलब है कि प्लेटफ़ॉर्म शुल्क हर फूड ऑर्डर पर जीएसटी, रेस्तरां शुल्क और डिलीवरी शुल्क के अतिरिक्त जोड़ा जाने वाला एक अतिरिक्त शुल्क होता है। ताजा आंकड़ों की मानें तो 30 सितंबर को समाप्त हुई तिमाही के लिए जोमैटो ने समेकित शुद्ध लाभ की सूचना दी जो लगभग पांच गुना बढ़कर 176 करोड़ रुपये हो गया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इस दिन घोषित हो सकती है भारतीय टीम, चेतेश्वर पुजारा का नाम भी दौड़ में शामिल ?

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से टेस्ट सीरीज खेली जानी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति अगर उनके अनुभव पर जाए तो पुजारा का चयन संभव है।

घरेलू टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे भारतीय अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर कंगारू गेंदबाजों के पसीने ला दिए थे। पुजारा कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन भारतीय सीनियर टीम के चयनकर्ता इस अनुभवी खिलाड़ी को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में चुन सकते हैं। बताया जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज के लिए 28 अक्तूबर को टीम घोषित कर सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से टेस्ट सीरीज खेली जानी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति अगर उनके अनुभव पर जाए तो पुजारा का चयन संभव है। इस 36 वर्षीय बल्लेबाज ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 383 गेंदों पर 234 रनों की पारी खेली थी और बताया था कि उनमें रन बनाने की भूख अभी भी बाकी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर है पुजारा का रिकॉर्ड

पुजारा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है और वह 2018–19 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। पुजारा ने उस दौरे में 1258 गेंदों का सामना किया था और कुल 521 रन बनाए थे। इसके तीन साल बाद पुजारा एक बार फिर भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए थे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 928 गेंदों का सामना किया और 271 रन बनाए थे। पुजारा पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाजों के सामने दीवार की तरह खड़े रहे हैं। पुजारा ने अंतिम बार भारत के लिए पिछले साल विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला था। इसके बाद से वह भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं।

रेड्डी को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर किया जा रहा तैयार

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद नितीश रेड्डी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय ए टीम में चुना गया है। दूसरी तरफ, शार्दुल ठाकुर ने चोट से वापसी के बाद कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है और वह प्रभावित नहीं कर सके हैं। शार्दुल ने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया था और गाबा टेस्ट में भारत को मिली ऐतिहासिक जीत में भी उनका योगदान था।

शमी को मिलेगा मौका?

जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की है, लेकिन आवेश खान और यश दयाल जैसे खिलाड़ी भी दौड़ में शामिल हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने हाल ही में खुद को फिट बताया था, लेकिन वह शायद ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएं जिस कारण शमी सीरीज के शुरुआती हिस्से से बाहर रह सकते हैं।

केएल राहुल को मिला गौतम गंभीर का समर्थन, पंत और गिल को लेकर दिया ये अपडेट

भारत को न्यूजीलैंड के बीच पुणे में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज में भारत फिलहाल 0–1 से पीछे है और टीम इंडिया की नजर पुणे में जीत पर होगी। वहीं कीवी टीम के खिलाफ इस अहम मुकाबले से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई अहम बातों का खुलासा किया है। गुरुवार को भारत को न्यूजीलैंड के बीच पुणे में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज में भारत फिलहाल 0–1 से पीछे है और टीम इंडिया की नजर पुणे में जीत पर होगी। वहीं कीवी टीम के खिलाफ इस अहम मुकाबले से पहले भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई अहम बातों का खुलासा किया है। उन्होंने केएल राहुल को बैक किया और साथ ही पंत व जसप्रीत बुमराह के अलावा कई अन्य मुद्दों पर भी बात की। बता दें कि, केएल राहुल इन दिनों आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं। कीवी टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भी वो नहीं चल पाए और उनके अगले टेस्ट मैच में खेलने पर सवाल उठने लगे थे क्योंकि, सरफराज खान ने बेंगलुरु में 150 रन की पारी खेली थी। इन सारी बातों के बावजूद गौतम गंभीर ने केएल राहुल को पूरी तरह से सपोर्ट करते दिखे। गंभीर से पहले रोहित शर्मा ने भी राहुल को टीम का अहम हिस्सा बताया था और कहा था कि वो छठे नंबर के लिए परफेक्ट हैं। केएल राहुल के बारे में बात करते हुए गंभीर ने साफ तौर से कहा कि, सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हो रही है, लेकिन इससे उनका अनुभव कम नहीं हो जाता। गंभीर ने कानपुर के ग्रीन पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ 43 गेंदों में 68 रनों की पारी के लिए केएल राहुल की प्रशंसा की। गंभीर ने कहा कि सोशल मीडिया का कोई महत्व नहीं है। टीम प्रबंधन और नेतृत्व समूह जो सोचता है वह अहम अहम है। वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है, कानपुर में उसने अच्छी पारी खेली थी और वो टीम के लिए रन बनाना चाहते हैं। गौतम गंभीर ने पंत के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी कोट की कोई चिंता नहीं है और वो भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए तैयार हैं। गंभीर से पूछा गया था कि क्या पंत विकेटकीपिंग और बैटिंग के लिए तैयार हैं तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वो अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। बता दें कि, पंत को पहले टेस्ट के दौरान दाहिने घुटने में चोट लग गई थी ।

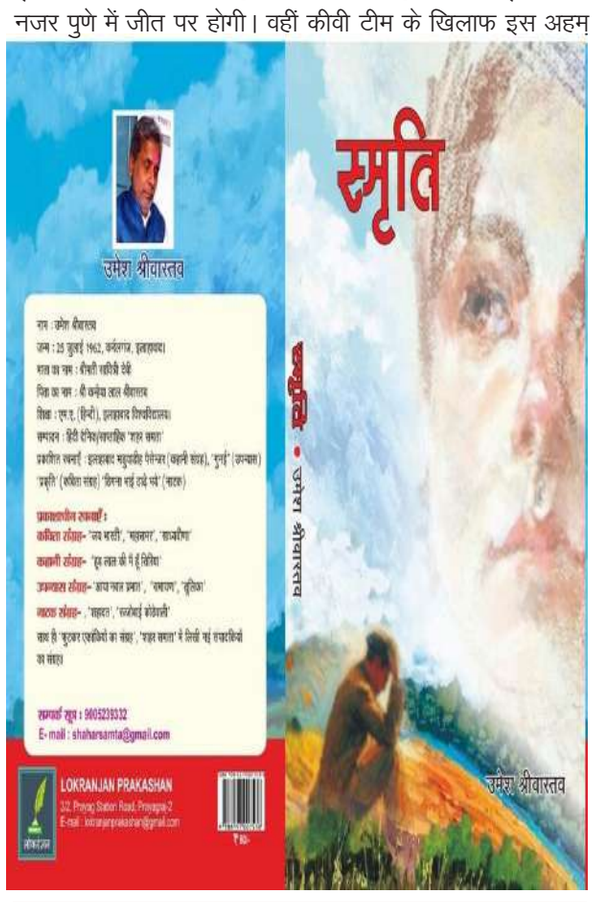

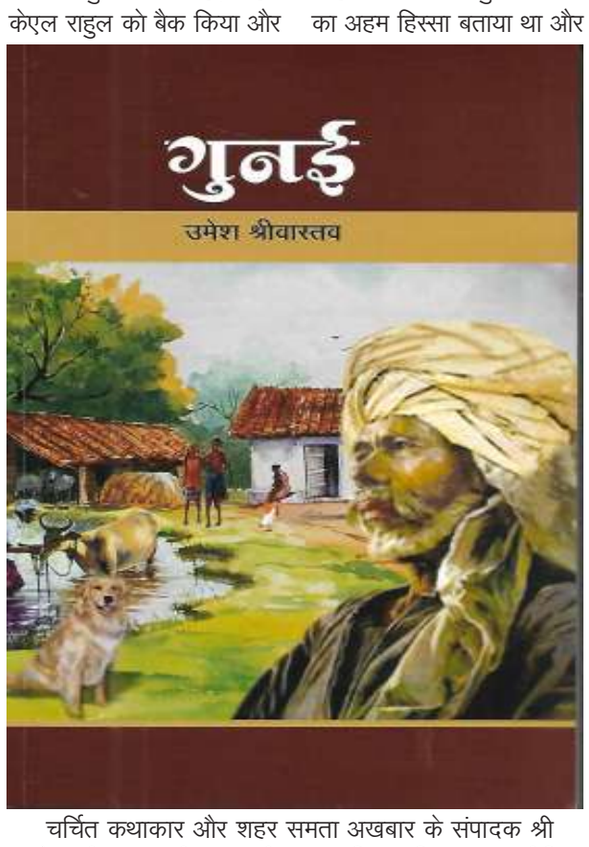

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

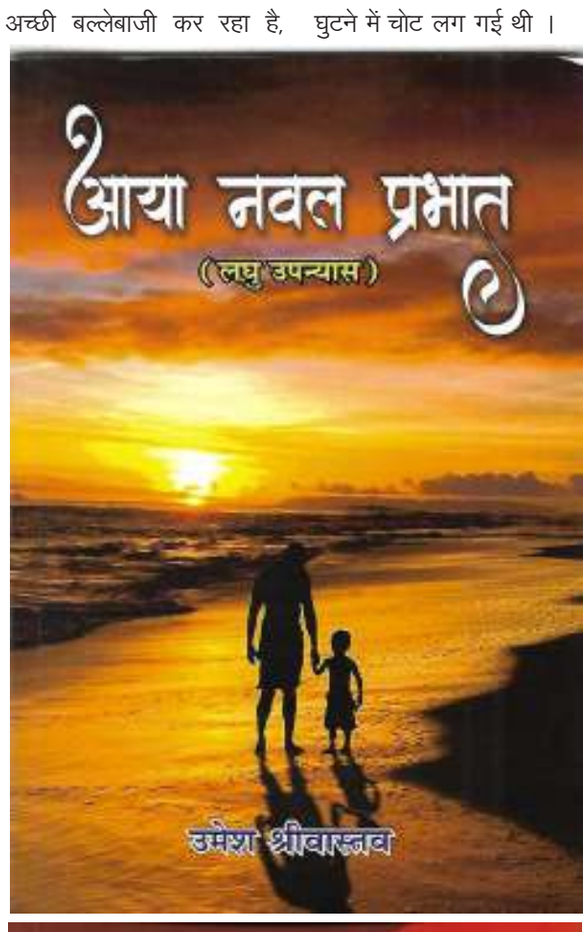

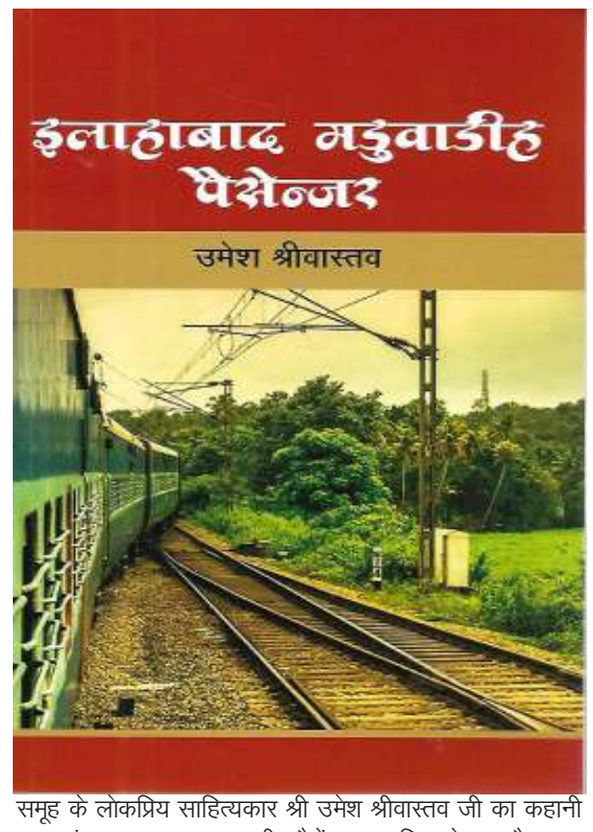

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

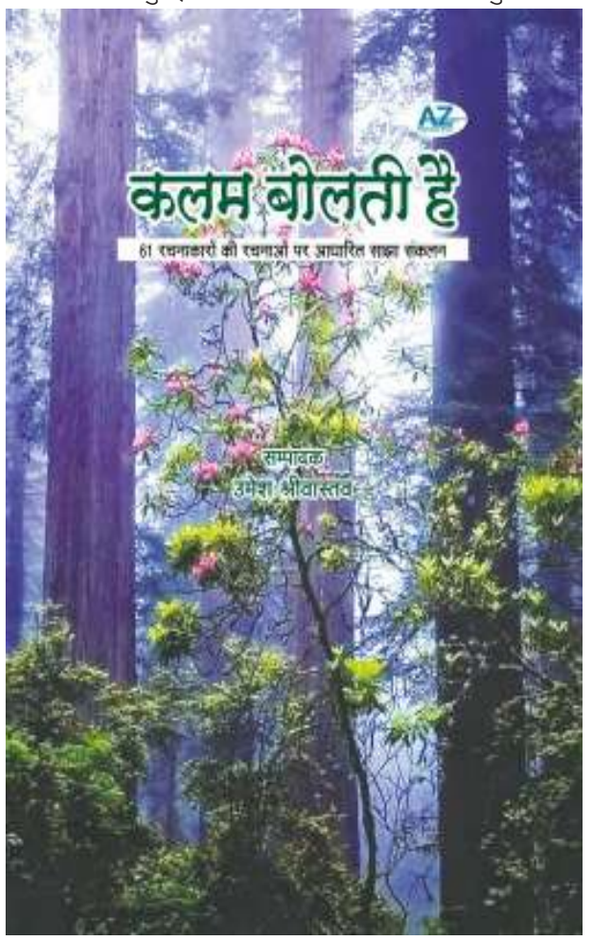

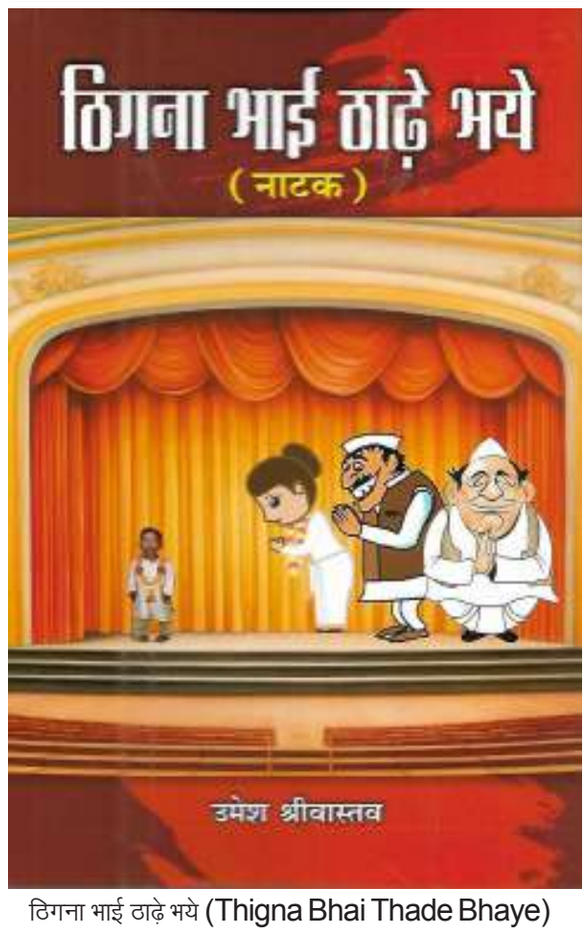

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वश्वलमार्ट के ओवन में मृत मिली पंजाब की महिला, कुछ समय पहले ही गई थी कनाडा

ओटावा। कनाडा के वॉलमार्ट में एक वॉक–इन ओवन के अंदर सिख महिला मृत पाई गई है। 19 वर्षीय सिख महिला की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। घटना कनाडा के हेलिफैक्स शहर में स्थित वॉलमार्ट की है। हेलीफैक्स पुलिस ने बताया कि उन्हें शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे वॉलमार्ट में महिला की मौत की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि महिला स्टोर में काम करती थी और अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने वॉक इन ओवन से ही महिला का शव बरामद किया। मैरीटाइम सिख सोसाइटी ने पुष्टि की है

कि वह उनके समुदाय की सदस्य थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैरीटाइम सिख सोसाइटी के अनमोलप्रीत सिंह ने कहा, श्यह हमारे लिए और मृतका के परिजनों के लिए बहुत दुखद है, क्योंकि वह बेहतर भविष्य की तलाश में आई थी और यहां उसने अपनी जान गंवा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला हाल ही में भारत से कनाडा आई थी। जांच जारी रहने के दौरान शनिवार रात से स्टोर बंद है। महिला की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन उसकी मौत को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस पर पुलिस ने कहा है कि उन्हें ऑनलाइन लगाई जा रहीं अटकलों की जानकारी है। पुलिस ने लोगों से जांच को लेकर धैर्य बनाए रखने की अपील की। वॉक–इन ओवन, जिन्हें कैबिनेट या बैच ओवन भी कहा जाता है, यह एक पहिएदार रैक होता है, जिसमें बड़ी संख्या में चीजों को सुखाया, पकाया जाता है।

मैकडोनाल्ड का बर्गर खाकर एक की मौत, दर्जनों बीमार, कंपनी ने इस फूड आइटम की बिक्री पर लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका में मशहूर फूड चेन मैकडोनाल्ड का बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं बर्गर खाने के बाद अमेरिका में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग का कहना है कि ये मामले मैकडोनाल्ड के बर्गर क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर से जुड़े हैं। बीमार लोगों में ई. कोलाई का संक्रमण पाया गया है।

अमेरिका के कई राज्यों में मिले संक्रमित मरीज

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर के अंत में लोगों के बर्गर खाकर बीमार होने के मामले शुरू हुए। बर्गर खाकर संक्रमित होने के मामले अमेरिका के 10 राज्यों में मिले हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 49 मामले कोलोराडो और नेब्रास्का जैसे राज्यों में मिले है। बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का असर मैकडोनाल्ड की साख पर पड़ा है और कंपनी के शेयरों में छह फीसदी की गिरावट आ चुकी है। दस लोग अभी संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिका के सेंटर फॉर

डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग ने बताया कि एक बुजुर्ग शख्स की बर्गर खाने के बाद हुए संक्रमण से जान चली गई है। जांच में पाया गया कि ई. कोलाई से संक्रमित लोगों में एक चीज सामान्य थी और वो थी कि उन्होंने मैकडोनाल्ड में क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर खाया था। जांचकर्ताओं का कहना है कि अभी संक्रमण का सटीक कारण नहीं पता है, लेकिन जांच का फोकस बर्गर में इस्तेमाल होने वाली कटी हुई प्याज और बीफ पैटीज पर है। इन दोनों चीजों को आगे की जांच तक मैकडोनाल्ड के रेस्तरां से हटा दिया गया है। मैकडोनाल्ड अमेरिका के अध्यक्ष जो एर्लिंगर ने भी माना कि उनके क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर और कटी हुई प्याज के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। ई. कोलाई के संक्रमण के लक्षणों में संक्रमित व्यक्ति को तेज बुखार, दस्त, उल्टी की समस्या होती है। इसके लक्षण आमतौर पर तीन से चार दिन बाद दिखने शुरू होते हैं। अधिकतर मामलों में संक्रमित व्यक्ति खुद ही ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ मामले गंभीर हो सकते हैं और मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है।

इजराइल ने हमास के अगले संभावित प्रमुख को मार गिराने का दावा किया

इजराइल ने दावा किया है कि उसने इस महीने की शुरुआत में बेरूत में हुए हवाई हमले में हिजबुल्ला के एक नेता हाशिम सैफीद्दीन को मार गिराया था, जिसके पिछले महीने इजराइली हवाई हमले में मारे गए संगठन प्रमुख हसन नसरल्ला की जगह लेने की प्रबल संभावना थी। हालांकि हिजबुल्ला की ओर से सैफीद्दीन के बारे में तत्काल कोई पुष्टि नहीं की गई है। इजराइल के अनुसार अक्टूबर की शुरुआत में किए गए हमले में सैफीद्दीन और हिजबुल्ला के 25 अन्य नेता मारे गए थे। पिछले सप्ताह इजराइल ने गाजा में युद्ध के दौरान हमास के शीर्ष नेता याहया सिनवार को मार गिराया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

कज़ान ने खींचा दुनिया का ध्यान, 'गंगा' के तट पर बसा ये शहर भारत के लिए क्यों है खास?

16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए दुनिया अपना ध्यान तातारस्तान की राजधानी कज़ान पर केंद्रित कर रही है। शहर का समृद्ध इतिहास और इसके रणनीतिक महत्व ट्रेंडिंग टॉपिक बन गए हैं। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि साल 2009 में मॉस्को और सांस्कृतिक राजधानी सेंट पीटर्सबर्ग के बाद कजान को रूस की तीसरी राजधानी का दर्जा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और मेजबान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे नेताओं के कज़ान में एकत्र होने के साथ, यह कार्यक्रम शहर की बढ़ती वैश्विक प्रमुखता पर प्रकाश डाल रहा है। शिखर सम्मेलन को पुतिन द्वारा मॉस्को के सहयोगियों को प्रदर्शित करने के एक सफल प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

तातार लोगों की मातृभूमि

रूस की गंगा कही जाने वाली वोल्गा और कजान का गहरा रिश्ता है। 12 लाख की आबादी वाला कजान शहर तातारस्तान गणराज्य की राजधानी है, जो तातार लोगों की मातृभूमि है।

कज़ान को क्या रणनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है?

कज़ान का स्थान और औद्योगिक कौशल इसे रूस और उसके अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों दोनों के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। पीएम मोदी के लिए उनकी कज़ान यात्रा कूटनीतिक लिहाजे से काफी अहम है। यह न केवल रूस के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि सरकार से सरकार और लोगों से लोगों के बीच के गहरे संबंधों के द्वार भी खोलता है। जुलाई 2024 में रूस की अपनी पिछली यात्रा में मोदी ने भारत की राजनयिक पहुंच में कज़ान की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कज़ान और येकातेरिनबर्ग में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलने की घोषणा की थी। कज़ान भारत के बहुत करीब है, क्योंकि इसकी 3,750 किमी की दूरी मॉस्को (4,340 किमी) या सेंट पीटर्सबर्ग (4,928 किमी) की तुलना में काफी कम है, जो इसे भारत के लिए एक आदर्श राजनयिक केंद्र बनाती है। कज़ान में वाणिज्य दूतावास कज़ान के औद्योगिक आधार का लाभ उठाते हुए, दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

भारत क्यों कजान में करना चाहता है निवेश

रूस का राज्य तातारस्तान तेल के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही की राजधानी कजान है, जहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों का आयोजन होता है। भारतीय यहां आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में अवसर तलाशते है। तातारस्तान में हर साल करीब 32 मिलियन टन कच्चे तेल का उत्पादन होता है। इसी क्षेत्र में भारत ने व्यापार और निवेश बढ़ाने में रुचि भी दिखाई है। कजान में ही भारत वाणिज्य दूतावास भी खेलने जा रहा है।

कितना आधुनिक है कजान

कजान शहर रूस के सबसे बड़े औद्योगिक और वित्तीय केंद्रों में से एक है। साल 2011 में इस शहर का अकेले क्षेत्रीय उत्पादन 380 बिलियन रूबल था। रूस का यहां सबसे बड़ा आईटी–पार्क भी है। यही पर ज्न–214 यात्री हवाई जहाज बनता है। कजान का हेलिकॉप्टर प्लांट दुनिया के सबसे बड़े हेलीकॉप्टर निर्माताओं में से एक है। यहां डपस डप–8 और डपस डप–17 जैसे रूस के आधुनिक हेलीकॉप्टर बनते है।

नसरल्ला का उत्तराधिकारी हासेम सफीद्दीन 4 अक्तूबर के हमले में ही मारा गया, इस्राइली सेना ने की पुष्टि

तेल अवीव। इस्राइल ने एलान किया है कि उनके 4 अक्तूबर को किए गए हमले में हसन नसरल्ला का संभावित उत्तराधिकारी और हिजबुल्ला का नया चीफ बनने का दावेदार हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया है। हाशेम सफीद्दीन हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख था और हसन नसरल्ला की मौत के बाद हाशेम ही हिजबुल्ला का नया चीफ बनने वाला था। इस्राइली सेना ने बताया कि सफीद्दीन के साथ ही हिजबुल्ला की खुफिया डिवीजन का प्रमुख हुसैन अली हजीमा भी 4 अक्तूबर के हमले में ढेर हो गया था। इस्राइली सेना ने बताया कि बीती 4 अक्तूबर को बेरूत स्थित हिजबुल्ला के भूमिगत खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया था। यह मुख्यालय बेरूत के दाहियेह इलाके में स्थित है, जो हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। आईडीएफ ने कहा

कि हमले के वक्त हिजबुल्ला के खुफिया मुख्यालय में 25 से ज्यादा खुफिया विभाग के लोग भी मौजूद थे, जिनमें शीर्ष कमांडर भी शामिल थे। हमले के वक्त हाशेम सफीद्दीन भी खुफिया मुख्यालय में मौजूद था। हमले के बाद भी ऐसी खबरें आईं थी कि इस्राइली हवाई हमले में हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया, लेकिन उन खबरों की पुष्टि नहीं हो पाई थी। अब इस्राइली सेना ने इसकी पुष्टि कर दी है। हाशेम सफीद्दीन को अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने साल 2017 में आतंकी घोषित किया था। हाशेम सफीद्दीन, हिजबुल्ला प्रमुख रहे हसन नसरल्ला का चचेरा भाई था। हाशेम सफीद्दीन बेहद धार्मिक स्वभाव का व्यक्ति था और उसे भी हसन नसरल्ला की तरह ही ईरान का करीबी बताया जाता था। हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख होने के साथ ही वह हिजबुल्ला की जिहाद काउंसिल का भी प्रमुख था, ये जिहाद काउंसिल ही हिजबुल्ला के सैन्य संचालन के लिए जिम्मेदार है।

इस्राइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्य नौसैनिक अड्डे पर हमला किया

इस्राइली जेट विमानों ने बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्य नौसैनिक अड्डे पर सोमवार रात भर हमला किया, इजराइल रक्षा बलों ने मंगलवार सुबह इसकी जानकारी दी। हमले में अड्डे का मुख्यालय, गोला–बारूद डिपो, भूमिगत अवसंरचना, फाइटर जेट और अन्य संपत्तियां नष्ट हो गईं। आईडीएफ ने कहा, शहिजबुल्ला के जहाजों को इस्राइल के समुद्री क्षेत्र में नौसेना के जहाजों और नौसेना और रणनीतिक लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।श हमले से पहले नागरिकों को क्षेत्र खाली करने की चेतावनी दी गई थी। ईरान समर्थित हिजबुल्ला के पास नौसेना के कमांडो और जहाज–रोधी मिसाइल सिस्टम होने का दावा किया जाता है। रिपोर्ट बताती हैं कि हिजबुल्लाह गुप्त अभियानों के लिए मानव रहित पनडुब्बियों का भी निर्माण कर रहा है।

अगले सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस होंगे न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी, मंजूरी के लिए पीएम के पास भेजा गया नाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से अगले चीफ जस्टिस को नामित करने के लिए मंगलवार को विशेष संसदीय समिति की बैठक हुई। इस दौरान समिति ने अगले चीफ जस्टिस के रूप में न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी को चुना। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि न्यायमूर्ति अफरीदी का नामांकन दो–तिहाई बहुमत के साथ प्रधानमंत्री के पास भेजा गया है। हाल ही में किए गए संविधान के 26वें संशोधन ने न्यायपालिका के संबंध में कई बदलाव लागू किए, जिनमें से एक विशेष संसदीय समिति (एसपीसी) द्वारा तीन शीर्ष न्यायाधीशों में से चीफ जस्टिस की नियुक्ति करना शामिल था, जबकि पिछले नियम के हिसाब से सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को वरिष्ठता सिद्धांत के तहत चीफ जस्टिस नियुक्त किया जाता था। सुप्रीम कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए विशेष संसदीय समिति की दो दौर की बैठक बंद कमरे में हुई। संसदीय पैनल का पहला इन–कैमरा सत्र दिन की शुरुआत में संसद भवन के एक कमरे में आयोजित किया गया था। इस दौरान पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) सदस्य बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके कारण समिति के सदस्यों को रात में फिर बैठक करनी पड़ी। निवर्तमान चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा

25 अक्तूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पुराने नियम के तहत वरिष्ठ उप न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह अगले प्रमुख बनते। हालांकि, अनुच्छेद–175ए के खंड–3 में किए गए संशोधन के बाद राष्ट्रपति श्शीर्ष अदालत के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशश को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त नहीं कर सकेंगे। इसके बजाय, अब विशेष संसदीय समिति की सिफारिश के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से किसी एक को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त किया जाएगा। न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह के अलावा न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर और न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में शामिल थे। अनुच्छेद–175ए के नए खंड 3सी के तहत, संशोधन लागू होने के बाद पहला नामांकन निवर्तमान चीफ जस्टिस की सेवानिवृत्ति से तीन दिन पहले भेजा जाना है। इसके हिसाब से पहले नामांकन की समय सीमा मंगलवार तक निर्धारित थी। चीफ जस्टिस के रूप में न्यायमूर्ति अफरीदी को चुने जाने के बाद पीटीआई नेता हामिद खान ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने नामांकन की कड़ी निंदा की और एक विरोध आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। हालांकि, उन्हें उम्मीद थी कि जस्टिस अफरीदी चीफ जस्टिस के रूप में नामांकन स्वीकार नहीं करेंगे।

बांग्लादेश जनाक्रोशरू बंगभवन घेराव के दौरान प्रदर्शनकारियों–पुलिस की झड़प, कई घायल; राष्ट्रपति का इस्तीफा मांगा

ढाका। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने बंगभवन को घेर लिया है। उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के साथ ही पांच सूत्रीय मांग की है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की। राष्ट्रपति ने हाल में बयान दिया था कि उनके पास अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के दस्तावेजी सबूत नहीं है। राष्ट्रपति के इस बयान के बाद प्रदर्शनकारियो में आक्रोश है। इससे पहले, प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार दोपहर को राष्ट्रपति भवन पर धावा बोलने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस की प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बंगभवन में प्रवेश करने से रोकने के लिए साउंड ग्रेनेड का भी प्रयोग किया। उपद्रवियों को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, दो लोग गोली लगने से घायल हुए और एक व्यक्ति साउंड ग्रेनेड से घायल हुआ। इस बीच प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए सेना को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। सेना ने लाउडस्पीकर का प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को बंगभवन छोड़ने का अनुरोध किया। तब जाकर स्थिति नियंत्रण में आई। बाद में प्रदर्शनकारी रात में फिर बंगभवन की ओर बढ़े। हालांकि, सेना ने उन्हें बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बंगभवन के बाहर धरना शुरू कर राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। बता दें कि साउंड ग्रेनेड से तेज ध्वनि करके भीड़ को तितर–बितर किया जाता है।

कमला हैरिस के समर्थन में उतरे बिल गेट्स! पांच करोड़ डॉलर का दिया गुप्त दान

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने में एक महीने से भी कम का समय रह गया है। डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन ने डोनाल्ड ट्रंप को चुनावी मैदान में उतारा है। ऐसे में दोनों उम्मीदवारों को जमकर समर्थन मिल रहा। उपराष्ट्रपति को अरबपति और माइक्रोसॉफ्ट के सह–संस्थापक बिल गेट्स का समर्थन भले ही खुलेआम नहीं मिल रहा। मगर, गेट्स ने हैरिस की मदद करने वाले एक गैर–लाभकारी संगठन को करीब पांच करोड़ डॉलर का दान दिया है।

इस समूह को दिया दान

हैरिस का समर्थन करने वाले एक फ्यूचर फॉरवर्ड नामक समूह को बिल गेट्स ने दान दिया है। यह दान गुप्त रखा गया है क्योंकि गेट्स ने डेमोक्रेट उम्मीदवार का सार्वजनिक रूप से समर्थन नहीं किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गेट्स ने इस साल निजी बातचीत में अपने मित्रों एवं अन्य लोगों को इस बात को लेकर भी चिंता जताई कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति बनने पर सबकुछ कैसा क्या होगा।

यह चुनाव अलग है

बताया जा रहा कि बिल गेट्स का परोपकारी संगठन बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ट्रंप के दोबारा निर्वाचित होने पर परिवार नियोजन और वैश्विक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में संभावित कटौती को लेकर काफी परेशान है। हालांकि, गेट्स ने जोर देकर कहा है कि वह किसी भी उम्मीदवार के साथ काम कर सकते हैं। साथ ही यह भी कहा कि चुनाव अलग है।

इन मुद्दों पर जो काम करेगा उसे मिलेगा समर्थन

उन्होंने कहा, मैं उस उम्मीदवार का समर्थन करता हूं जो स्वास्थ्य देखभाल में सुधार, गरीबी को कम करने तथा अमेरिका और दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखाते हैं। विभिन्न राजनीतिक नेताओं के साथ काम करने का मेरा लंबा इतिहास रहा है, लेकिन यह चुनाव अलग है। इसका अमेरिकियों और दुनिया भर के लोगों के लिए अलग महत्व है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

साइबर तंत्र को मजबूत बनाएंगे क्वाड देश, इराक में इस्लामिक स्टेट के कमांडर समेत 9 ढेर

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया व जापान ने 'क्वाड साइबर चुनौती' को जारी रखने की घोषणा की है। इसका मुख्य उद्देश्य जिम्मेदार साइबर तंत्र को मजबूत करना, सार्वजनिक संसाधनों को बढ़ावा तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना है। क्वाड देशों ने कहा, हम मजबूत कार्यबल बनाएंगे।

इराक में इस्लामिक स्टेट के कमांडर समेत 9 ढेर इराकी सेना ने इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह के कमांडर जसीम अल–मजरूई अबू अब्दुल कादर व आठ वरिष्ठ नेताओं को मार गिराया है। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल–सुदानी ने इसकी पुष्टि की। मारे गए आतंकियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार व गोला–बारूद मिले हैं। इस्राइली सेना के 42 वर्षीय डिप्टी कमांडर मेजर अविराम हरीब की मौत मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पश्चिम एशिया में हिजबुल्ला और इस्राइली सेना के टकराव के दौरान दक्षिणी लेबनान में एक बटालियन डिप्टी कमांडर की मौत हो गई। इस्राइली मीडिया ने मंगलवार को बताया कि बटालियन (9308) के 42 वर्षीय डिप्टी कमांडर मेजर अविराम हरीब दक्षिणी लेबनान में लड़ाई के दौरान मारे गए। मेटा ने शुरू की चेहरे की पहचान वाली तकनीक फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी, मेटा ने घोटालों से निपटने के लिए चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक 'सेलेब–बैट' घोटाला फिर से शुरू की है।

कंपनी यह सुविधा सेलेब–बैट विज्ञापनों (मशहूर हस्तियों के नाम से छद्म विज्ञापन) में हो रही वृद्धि के मद्देनजर शुरू कर रही है।

नेपाल : ज्यादा नकदी पर दो भारतीय गिरफ्तार

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।